■ कार्तिक शुक्ल - 11 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 119 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 24-11-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मराठों को आरक्षण देने के प्रयास जारी : फडणवीस

6 हिंसामुक्त नारी समाज का सपना अधूरा क्यों?

7 गिरिराज सिंह ने बिहार में हलाल उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

'डीपफेक' निर्माता और संबंधित मंचों दोनों पर लगाया जा सकेगा जुर्माना

जुर्माना लगाने के लिए नए नियमन लाएगी सरकार : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'डीपफेक' को ''लोकतंत्र के लिए खतरा'' करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार इस बारे में नए नियम लाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत 'डीपफेक' बनाने वालों और संबंधित मंचों दोनों पर जुर्माना लगाया जा सकेगा। 'डीपफेक' में कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल करते हुए किसी तस्वीर या वीडियो में मौजूद व्यक्ति की जगह किसी दूसरे को दिखा दिया जाता है। इसमें इतनी समानता होती है कि असली और नकली में अंतर करना काफी मुश्किल होता है।

हाल ही में, बॉलीवुड के कई कलाकारों को निशाना बनाने वाले कई 'डीपफेक' वीडियो सोशल मीडिया मंच पर आए। इसपर कई लोगों ने नाराजगी जाहिर की। इससे नकली सामग्री बनाने के लिए प्रौद्योगिकी तथा उपकरणों के दुरुपयोग को लेकर भी कई सवाल खड़े हुए हैं।

सोशल मीडिया मंच, नैसकॉम और कृत्रिम मेधा(एआई) के क्षेत्र के अन्य प्रोफेसर सहित विभिन्न हितधारकों के साथ बैठक के बाद उन्होंने कहा, ''डीपफेक लोकतंत्र के लिए एक नया खतरा बनकर उभरा है। ये समाज और उसके संस्थानों में विश्वास को कमजोर कर सकते हैं।''

वैष्णव ने कहा कि सरकार 10 दिन के भीतर चार स्तंभों... 'डीपफेक' का पता लगाने, ऐसी सामग्री के प्रसार को रोकने, इसकी सूचना देने के तंत्र को मजबूत करने और मुद्दे पर जागरूकता फैलाने पर कार्रवाई योग्य कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि बैठक में मौजूद सभी हितधारकों ने 'डीपफेक' के संबंध में समान चिंताएं जाहिर कीं।

मंत्री ने कहा, '' सभी सोशल मीडिया मंच 'डीपफेक' का पता लगाने के लिए व्यापक प्राद्योगिकी के इस्तेमाल पर सहमत हुए।''

भारत में 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनके दो वर्षों में 120 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है।

वैष्णव ने कहा कि 'डीपफेक' विज्ञापन या भ्रामक प्रचार एक खतरा है जिसका भारतीय समाज वर्तमान में सामना कर रहा है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, '' सोशल मीडिया का उपयोग यह सुनिश्चित करता है कि 'डीपफेक' बिना किसी रोक-टोक तेजी से फैल जाए। यही कारण है कि हमें समाज और हमारे लोकतंत्र में विश्वास को मजबूत करने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पिछले सप्ताह आगाह किया था कि एआई से बनाए गए 'डीपफेक' बड़े संकट का कारण बन सकते हैं। समाज में असंतोष उत्पन्न कर सकते हैं। उन्होंने मीडिया से इसके दुरुपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाने और लोगों को शिक्षित करने का आग्रह भी किया था।

वहीं वैष्णव ने गत शनिवार को आगाह किया था कि अगर मंच 'डीपफेक' को हटाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाते हैं, तो उन्हें आईटी अधिनियम के तहत वर्तमान में जो 'सुरक्षित हार्बर प्रतिरक्षा' मिली है, वह नहीं दी जाएगी। हितधारकों के साथ बैठक के बाद बृहस्पतिवार को उन्होंने कहा कि 'डीपफेक' वीडियो निर्माताओं ने 'लेबलिंग' और 'वॉटरमार्क' का भी तोड़ निकाल लिया है।

क्रिकेटर श्रीसंत के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में प्राथमिकी दर्ज

कन्नूर (केरल)/भाषा। पुलिस ने केरल के कन्नूर जिले में एक व्यक्ति की ओर से दर्ज धोखाधड़ी की शिकायत के आधार पर पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत और दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी । जिले के चूंडा के रहने वाले शिकायतकर्ता सरीश गोपालन ने आरोप लगाया कि आरोपी राजीव कुमार और वेंकटेश किनी ने 25 अप्रैल, 2019 से अलग-अलग दिन उनसे 18.70 लाख रुपये लिए, उनका दावा था कि वे कर्नाटक के कोल्लूर में एक खेल अकादमी बनाएंगे जिसमें भारत के पूर्व तेज गेंदबाज श्रीसंत इसमें पार्टनर हैं । गोपालन ने शिकायत में कहा कि अकादमी में पार्टनर बनने का अवसर मिलने के बाद उन्होंने पैसे का निवेश किया।

आजादी के 'अमृतकाल' में पहली बार देश गुलामी की मानसिकता से बाहर आया है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि आज आजादी के 'अमृतकाल' में पहली बार देश गुलामी की मानसिकता से बाहर आया है। उन्होंने 'मीराबाई जन्मोत्सव' को संबोधित करते हुए कहा , '' भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त संत मीराबाई का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा शक्ति है। मथुरा की पावन धरा पर संत मीराबाई की 525 वीं जन्म-जयंती के उत्सव में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की। वह भगवान कृष्ण भक्त की 525 वीं जयंती मनाने के लिए आयोजित 'मीराबाई जन्मोत्सव' में भाग लेने के लिए यहां आये हैं।

मोदी ने श्रीकृष्ण जन्म भूमि मंदिर में पूजा करने के बाद एक्स पर लिखा,' मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में दिव्य पूजन का सौभाग्य मिला। ब्रज के कण-कण में बसे गिरधर गोपाल के मनोहारी दर्शन ने भाव-विभोर कर दिया। मैंने उनसे देशभर के अपने सभी परिवारजनों के लिए सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की।'

प्रधानमंत्री ने संत मीराबाई की 525 वीं जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट और 525 रुपये का सिक्का भी जारी किया । उन्होंने कहा,'आज आज़ादी के अमृतकाल में पहली बार देश गुलामी की मानसिकता से बाहर आया है। हमने लाल किले से 'पंच प्रणों' का संकल्प लिया है। हम अपनी विरासत पर गर्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं ।'

आज बाहर निकाले जा सकते हैं सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तराखंड में सिलक्यारा सुरंग के अंदर फंसे 41 श्रमिकों को बाहर निकालने में अगले कुछ घंटों में या शुक्रवार तक ''सफलता'' मिल सकती है। श्रमिकों को बचाने के अभियान के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए, एनडीएमए के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने कहा कि बचाव अभियान की समयसीमा पर अटकलें लगाना उचित नहीं होगा क्योंकि यह युद्ध लड़ने जैसा है। उन्होंने यह भी कहा कि बचाव कार्य रुक गया है और इसके शीघ्र ही फिर से शुरू होने की संभावना है। हालांकि हसनैन के इस बयान से पहले बचाव अभियान की निगरानी कर रहे प्रधानमंत्री कार्यालय के पूर्व सलाहकार भास्कर खुल्बे ने संवाददाताओं को बताया कि सिलक्यारा में सुरंग में मलबे में 'ड्रिलिंग' के दौरान आई बाधा को दूर करने के बाद बृहस्पतिवार को सुबह फिर से बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। खुल्बे ने बताया था, ''लोहे के सरिये के कारण उत्पन्न समस्या को दूर कर लिया गया है। गैस कटर का इस्तेमाल कर सरिये को काट दिया गया है।'' एनडीएमए सदस्य ने यह भी कहा कि श्रमिकों को बचाने के लिए क्षैतिज 'ड्रिलिंग' में तीन से चार और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि 41 एम्बुलेंस सुरंग स्थल पर मौजूद हैं और गंभीर स्थिति वाले श्रमिकों को हवाई मार्ग से ले जाने की भी सुविधाएं हैं।

23-11-2023 सूर्यास्त 5:50 बजे	24-11-2023 सूर्योदय 6:22 बजे
BSE 66,017.81 (-5.43)	NSE 19,802.00 (-9.85)
सोना 6,240 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 71,700 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अस्थाई राज

इतनी भी नाराजी क्यों हैं,
सत्ता तो आनी-जानी।
ऐसी भाषा बोल रहे क्यों,
जैसे हो दुश्मन जानी।
बोलो कब ठहरा है अब तक,
बहती नदिया का पानी।
लोकतंत्र में नहीं चलेगी,
कभी किसी की मनमानी।।

'शिवकुमार संबंधित मामला सीबीआई को देने का भाजपा सरकार का फैसला कानून सम्मत नहीं'

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को कहा कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई को मंजूरी देने का पूर्ववर्ती भाजपा सरकार का फैसला कानून के अनुरूप नहीं था। विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया, मंत्रिमंडल ने माना कि पुराने महाधिवक्ता और नये महाधिवक्ता की राय को ध्यान में रखते हुए, विधानसभा अध्यक्ष को दरकिनार और नजरअंदाज करते हुए जो निर्णय लिया गया, वह कानून के अनुरूप नहीं है। अतिरिक्त विवरण साझा किए बिना उन्होंने कहा, आदेश कुछ दिनों में जारी किए जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक शिवकुमार कैबिनेट बैठक का हिस्सा नहीं थे।

लश्कर का एक शीर्ष कमांडर ढेर

राजौरी/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में बृहस्पतिवार को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के शीर्ष कमांडर समेत दो आतंकवादी मारे गये। लश्कर के कमांडर ने अफगानिस्तान में प्रशिक्षण हासिल किया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी । बुधवार को मुठभेड़ में विशेष बल के दो कैप्टन समेत चार सैन्यकर्मियों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी । धर्मसाल के बाजीमाल इलाके में हुई इस मुठभेड़ में सुरक्षा बल के दो अन्य जवान घायल हो गए थे। अधिकारी ने बताया कि रात भर के विराम के बाद आज सुबह गोलीबारी फिर से शुरू हो गई, जिसमें दोनों आतंकवादी मारे गये ।

मुंबई में 24 मंजिला इमारत में लगी आग, दम घुटने की शिकायत के कारण 11 लोग अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के भायखला इलाके में बृहस्पतिवार को 24 मंजिला एक आवासीय इमारत में आग लग गई, जिसके बाद छह बुजुर्गों समेत 11 लोगों को दम घुटने की शिकायत के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक अस्पताल में भर्ती कराए गए सभी लोगों की हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि यह आग भायखला के घोडपदेव इलाके में महाराष्ट्र आवासीय एवं क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण (एमएचएडीए) कॉलोनी में न्यू हिंद मिल कंपाउंड में स्थित इमारत की तीसरी मंजिल पर सुबह तीन बजकर 40 मिनट पर लगी। इस जगह पर सरकार ने एक योजना के तहत लोगों को, मुख्य रूप से मिल श्रमिकों को फ्लैट दिए हैं। एक चश्मदीद व्यक्ति ने बताया कि बिजली के तारों के माध्यम से आग की लपटें ऊपरी मंजिलों तक फैल गईं, जिससे भयानक स्थिति पैदा हो गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग की सूचना मिलने के बाद दमकल की पांच गाड़ियों और पानी के तीन टैंकर को घटनास्थल पर भेजा गया और सुबह सात बजकर 20 मिनट तक आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

हालांकि, ऐसा जान पड़ता है कि आग शॉर्ट-सर्किट के कारण लगी। अधिकारियों ने बताया कि इमारत की विभिन्न मंजिलों से कम से कम 135 लोगों को सुरक्षित बचाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि इन लोगों में से 25 को छत से, 30 को 15वीं मंजिल से और 80 लोगों को 22वीं मंजिल से निकाला गया। अधिकारियों के मुताबिक छह बुजुर्गों समेत 11 लोगों ने सांस में धुंआ जाने से दम घुटने की शिकायत की। अधिकारियों ने कहा कि उनमें से नौ को बृहन्मुंबई महानगर पालिका द्वारा संचालित केईएम अस्पताल में और एक-एक को नायर अस्पताल तथा सरकारी जे जे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि जिन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है उनकी पहचान लक्ष्मी राउत (70), अर्चना मोरे (75), पार्वतीबाई तम्बोले (85), लता तम्बोले (67), प्रणय तम्बोले (28), अर्चना निलेश मोरे, मुमताज (60), अभिश (36), विशाल विजय मोरे (34), रजाक खान (80) और सविता कराडे (48) के रूप में हुई है।

इमारत की 11वीं मंजिल पर अपने परिवार के साथ रहने वाले पेशे से इंजीनियर सिद्धेश गवाने ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि उनकी मां ने गंध महसूस की और दूसरों को जगाया, लेकिन धुएं से भरे गलियारे में किसी का रास्ता ढूंढना बहुत मुश्किल था। सिद्धेश गवाने ने कहा, ''एक भयानक स्थिति थी, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। हर तरफ धुआं था... हम ठीक से सांस नहीं ले पा रहे थे और मुश्किल से एक-दूसरे को देख पा रहे थे।'' इमारत की नौवीं मंजिल पर रहने वाले संभाजी भराडे ने कहा कि हादसे के समय उनके परिवार के सभी पांच सदस्य गहरी नींद में थे जब उनके पड़ोसियों ने उन्हें जगाने के लिए जोर से दरवाजा खटखटाया। एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि इमारत की आठवीं, 15वीं और 22वीं मंजिल पर शरण क्षेत्र हैं, लेकिन इमारत में रहने वाले लोगों की संख्या काफी अधिक है और कुछ लोगों ने शरण क्षेत्र में घरेलू सामान रखा था जिससे आवाजाही में बाधा उत्पन्न हुई।

बैंकों को ग्राहकों की शिकायतों पर अधिक ध्यान देने की जरूरत: आरबीआई डिप्टी गवर्नर

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने बृहस्पतिवार को बैंकों से ग्राहकों की शिकायतों के समाधान पर अधिक ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि बैंक ग्राहक जोड़ने में भारी निवेश कर रहे हैं लेकिन उनकी शिकायतों के समाधान पर बहुत कम ध्यान दे रहे हैं। राव ने यहां वार्षिक फाइबैक कार्यक्रम में कहा, ''दुर्भाग्य से, ऐसा लगता है कि ग्राहकों की शिकायतों का समय से समाधान करने के लिए बैंकों के प्रयास प्रौद्योगिकी और उत्पादों में हुई तेजी के अनुरूप नहीं हैं।'' उन्होंने कहा, '...यह उस क्षेत्र के लिए बहुत अजीब लगता है, जो सेवा उद्योग होने पर गर्व करता है।' उनके मुताबिक, बैंकों के बोर्ड को गंभीरता से विचार करने और इस पहलू पर गौर करने की जरूरत है। राव ने यह भी कहा कि बैंकों को साइबर सुरक्षा को मजबूत करने और साइबर धोखाधड़ी की रोकथाम पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि भ्रामक तरीके से उत्पादों की बिक्री अब डिजिटल अवतार में उभरी है - जिसे डार्क पैटर्न कहा जाता है। जैसे तत्काल ऋण के रूप में भारी ब्याज दर और अन्य लागत का जाल। उन्होंने कहा, ''हमें कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कुशल तरीके से काम करना चाहिए। ग्राहकों को इन खतरों से बचाने के लिए उनके भरोसे को बनाए रखने और मिलकर काम करने की जरूरत है।''

कश्मीर में बिजली संकट को लेकर पीडीपी व कांग्रेस का प्रदर्शन

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कश्मीर में बिजली संकट को लेकर यहां पार्टी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आसिया नकाश, अब्दुल कयूम भट और आरिफ लाइग्रू के नेतृत्व में पीडीपी कार्यकर्ताओं ने घाटी में बिजली की कटौती को लेकर शेर-ए-कश्मीर मैदान के पास पीडीपी कार्यालय से लाल चौक की ओर जुलूस निकालने की कोशिश की।

पुलिसकर्मियों के एक दल ने प्रदर्शनकारियों को जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) के पास आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शनकारियों के हाथों में तख्तियां और पोस्टर थे, जिनमें बिजली कटौती बंद करने की मांग की गई थी। पीडीपी प्रवक्ता मोहित भान ने कहा, 'प्रशासन को गहरी नींद से जगाने के लिए आज श्रीनगर में पीडीपी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बिजली संकट बढ़ने से कश्मीर अंधेरे में डूब गया है।' इस बीच, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने भी यहां मौलाना आजाद रोड पर बिजली संकट के खिलाफ प्रदर्शन करने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उन्हें पार्टी कार्यालय से बाहर जाने से रोक दिया। प्रदर्शनकारियों में से एक ने कहा, 'अस्पतालों में भी बिजली नहीं है और अधिकारी शहर घूमने में पैसा खर्च कर रहे हैं।'

तीन साल में सात प्रमुख शहरों में घरों की औसत कीमत 13-33 प्रतिशत बढ़ीं: रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। देश के सात प्रमुख शहरों में पिछले तीन साल के दौरान घरों की औसत कीमतें 13-33 प्रतिशत के दायरे में बढ़ी हैं। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, हैदराबाद के गाचीबावली में पिछले तीन वर्षों में औसत आवास कीमतें सबसे अधिक 33 प्रतिशत बढ़ीं। बृहस्पतिवार को जारी इस रिपोर्ट में कहा गया कि हैदराबाद के कोंडापुर में कीमतें 31 प्रतिशत और बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड में आवास की कीमतें 29 प्रतिशत बढ़ीं। एनारॉक के क्षेत्रीय निदेशक और प्रमुख (शोध) प्रशांत ठाकुर ने कहा कि मजबूत मांग और बढ़ी हुई लागत के कारण शीर्ष सात शहरों में औसत आवास कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के प्रमुख क्षेत्रों में पिछले तीन वर्षों के दौरान औसत कीमतें 13-27 प्रतिशत के बीच बढ़ीं। एनसीआर के ग्रेटर नोएडा पश्चिम में औसत कीमतें 27 प्रतिशत बढ़ीं, जबकि एमएमआर के लोवर परेल में कीमतों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

नए एफटीए और बिजली, भूमि की कम लागत बढ़ाएगी देश का निर्यात: पीएचडी रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। समग्र व्यापार समझौतों, पूंजी की लागत में कटौती, बिजली और भूमि सुधार जैसे उपायों से वर्ष 2030 तक भारत का वस्तु एवं सेवा निर्यात दो लाख करोड़ डॉलर तक ले जाने में मदद मिलेगी। एक उद्योग मंडल की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) की इस रिपोर्ट में निर्यात को बढ़ाने के लिए समुद्री उत्पादों, लौह अयस्क, कुछ रसायनों, दवाओं, कपास, एल्युमीनियम और टैंकर समेत 75 संभावित निर्यात उत्पादों के लिए योजनाएं लाने की भी सिफारिश की गई है। रिपोर्ट कहती है, ''इन उत्पादों की पहचान नौ संभावनाशील क्षेत्रों से की गई है। ये उत्पाद लगभग 222 अरब डॉलर का योगदान देते हैं जो देश के कुल निर्यात का लगभग 50 प्रतिशत है। भारत वैश्विक बाजारों में बड़े पैमाने पर संभावनाओं की तलाश करते हुए इन वस्तुओं का निर्यात बढ़ा सकता है, क्योंकि वे वैश्विक निर्यात का केवल छह प्रतिशत हिस्सा हैं।'' शोध रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का सेवा निर्यात पारंपरिक रूप से उत्तरी अमेरिका और यूरोप में केंद्रित रहा है लेकिन एशिया, अफ्रीका और लातिनी अमेरिका जैसे महाद्वीप भी वृद्धि की व्यापक संभावनाएं समेटे हुए हैं। रिपोर्ट में नए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को समग्र बनाने का सुझाव देते हुए कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में भारत को तुलनात्मक रूप से बढ़त होने से इन समझौते का विस्तार होगा और इनमें विविधता भी आएगी।

कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में '10 गारंटी' लागू नहीं कर रही : जयराम ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि 'दस गारंटी' का वादा करके 2022 में हिमाचल प्रदेश में सत्ता में आई कांग्रेस ने एक साल बाद भी उन्हें लागू नहीं किया है। ठाकुर ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव नीत भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) राज्य में परिवार के नेतृत्व वाली सरकार चलाती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें पता चला है कि यहां ऐसा कोई भी विभाग नहीं बचा है जो भ्रष्टाचार में लिप्त न हो।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगते हुए ठाकुर ने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में प्रगति कर रहा है तथा तेलंगाना को भी इसे मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जरूरत है।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की गारंटी का हवाला देते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस ने वादा किया था कि वे 15 साल से अधिक उम्र की प्रत्येक महिला के बैंक खाते में हर महीने 1,500 रुपये की राशि जमा करवाएगी, लेकिन एक साल बाद भी किसी महिला को पैसा नहीं मिला है। उन्होंने कहा, ''हिमाचल प्रदेश एक बिजली अधिशेष राज्य है। कांग्रेस ने वादा किया था कि वह प्रति माह 300 यूनिट बिजली मुफ्त देगी। लेकिन उसकी सरकार बनने के बाद, बिजली दरों में वृद्धि हुई, जिससे लोगों पर अधिक बोझ पड़ा।''

ठाकुर ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने अभी तक पुरानी पेंशन योजना लागू नहीं की है जिसका वादा उसने विधानसभा चुनाव के दौरान किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस तुष्टीकरण की राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि लोग इन दोनों दलों को करारा जवाब देंगे।

भाजपा नेता ने कहा कि तेलंगाना में ''डबल इंजन'' सरकार की जरूरत है क्योंकि बीआरएस सरकार अपने चुनावी वादों को लागू करने में विफल रही है।

घरेलू इस्पात उत्पादों में 'मेड-इन-इंडिया' की ब्रांडिंग की जाएगी: सिंधिया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने स्थानीय स्तर पर निर्मित इस्पात उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए 'मेड इन इंडिया' का ब्रांड जोड़ने की पहल बृहस्पतिवार को शुरू की। केंद्रीय इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' संकल्प को साकार करना है।

इस्पात मंत्रालय ने बयान में कहा कि वैश्विक बाजार में 'मेड-इन-इंडिया' इस्पात उत्पादों की ब्रांडिंग और लेबलिंग शुरू करने की पहल के पहले चरण में सभी एकीकृत इस्पात कंपनियों (आईएसपी) को शामिल किया गया है। दूसरे चरण में द्वितीयक इस्पात उद्योग को शामिल किया जाएगा। वैश्विक बाजार में 'मेड-इन-इंडिया' इस्पात उत्पादों की ब्रांडिंग व लेबलिंग शुरू करने की इस पहल की प्रगति पर सिंधिया की अध्यक्षता में सलाहकार समिति की बैठक हुई।

भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा, तेलंगाना उसका हिस्सा बन सकता है : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अगले कुछ वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। गोयल ने साथ ही कहा कि अगर तेलंगाना के लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में मतदान करें तो राज्य इस प्रगति का हिस्सा बन सकता है।

गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों में उज्ज्वल भविष्य का आत्मविश्वास पैदा किया है और पिछड़ा वर्ग से आने वाला एक मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में तेलंगाना में लोगों के लिए नए अवसर ला सकता है। उन्होंने कहा, ''भारत नौ वर्ष पहले 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था लेकिन अब यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हम अगले तीन वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।'' उन्होंने कहा, '' हमें विश्वास है कि आने वाले 25वर्ष में 'अमृत काल' के दौरान जब हम आजादी के सौ वर्षों का जश्न मनाएंगे तब भारत विकसित देश होगा। हमारी अर्थव्यवस्था 3500 अरब डालर से बढ़कर 35000 अरब डालर हो जाएगी और तेलंगाना के लोग विकास की इस यात्रा में साझीदार होना चाहते हैं।'' गोयल ने कहा कि लोगों को ईमानदार सरकार के कार्यकाल में नए अवसर मिल सकते हैं और यह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में पिछड़ा वर्ग से आने वाले मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के साथ संभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना के लोगों में 'भ्रष्टाचार' और 'परिवारवाद' को लेकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार के खिलाफ गुस्सा है। गोयल ने विश्वास जताया कि वर्तमान विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा को लोगों की सेवा करने का अवसर मिलेगा।

सत्ता में आने पर हैदराबाद में मुस्लिम युवाओं के लिये विशेष आईटी पार्क बनेगा : केसीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। अल्पसंख्यक मतदाताओं को लुभाने के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर उनकी पार्टी फिर से सत्ता में आई, तो उनकी सरकार अल्पसंख्यक युवाओं के लिए यहां एक विशेष सूचना प्रौद्योगिकी पार्क स्थापित करेगी।

महेश्वरम में एक रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार मुसलमानों एवं हिंदुओं को दो आंखों की तरह मानती है और सभी को साथ लेकर चलती है।

महेश्वरम से शिक्षा मंत्री सबिता इंद्र रेड्डी चुनाव मैदान में हैं । राज्य में 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव हैं।

केसीआर के नाम से लोकप्रिय राव ने कहा, ''आज हम पेंशन दे रहे हैं जो मुसलमानों को भी मिल रही है। हमने आवासीय विद्यालय खोले हैं जिनमें मुस्लिम विद्यार्थी भी पढ़ते हैं। हम सभी को अपने साथ लेकर चलते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज, हम मुस्लिम युवाओं के बारे में और हैदराबाद के पास उनके लिए एक विशेष आईटी पार्क स्थापित करने सोच रहे हैं। आईटी पार्क पहाड़ी शरीफ के पास बनेगा।''

तेलंगाना में किसी तरह के कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं होने तथा राज्य को 'शांतिपूर्ण' बताते हुये राव ने कहा कि बीआरएस सरकार ने पिछले 10 वर्षों के दौरान अल्पसंख्यक विकास पर 12,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जबकि कांग्रेस ने अपने 10 साल के शासन के दौरान 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए थे। उन्होंने कहा कि जब तक केसीआर जीवित हैं, तेलंगाना एक धर्मनिरपेक्ष राज्य बना रहेगा। मुख्यमंत्री के मुताबिक, अलग राज्य बनने के बाद तेलंगाना में विकास संभव हो सका है।

उन्होंने लोगों से पूछा, ''तेलंगाना के लिए राज्य का दर्जा किसने हासिल किया । 24 घंटे मुफ्त बिजली लागू करने में कौन सक्षम है । हर घर नल का पानी किसने पहुंचाया।'' इसके उत्तर में मौके पर मौजूद लोग 'केसीआर-केसीआर' कहने लगे।

जगनमोहन रेड्डी ने वाईएसआर कल्याणमस्तु और शादी तोहफा योजनाओं के तहत 82 करोड़ रुपये बांटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अल्पसंख्यक एवं अन्य वर्गों के गरीब लोगों की शादी का खर्च उठाने के लिए बृहस्पतिवार को वाईएसआर कल्याणमस्तु और वाईएसआर शादी तोहफा योजनाओं के तहत 82 करोड़ रुपये बांटे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये दोनों योजनाएं उन गरीब अभिभावकों की मदद करने पर केंद्रित नेक कार्यक्रम का हिस्सा हैं जो अपने बच्चों को पढ़ाने-लिखाने के बाद सम्मानपूर्वक उनकी शादी करना चाहते हैं ताकि वे नई जिंदगी शुरू कर पायें। अपने कैंप कार्यालय से डिजिटल तरीके से अधिकारियों को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा, '' यह कार्यक्रम एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों में निर्धन तबकों तथा दिव्यांगों और निर्माण श्रमिकों की जिम्मेदारी लेने की दिशा में एक अन्य कदम है ताकि उन्हें आश्वस्त किया जा सके कि वे सबसे महत्वपूर्ण लोग हैं और हर तरीके से उनका हाथ थामा जा सके।'' उन्होंने कहा कि यह धनराशि उन 10,511 दंपतियों के बीच बांटी गयी जिनकी जुलाई से सितंबर के बीच शादी हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्टूबर 2022 से इन दोनों योजनाओं के तहत 46,062 युगलों को 349 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी गयी है।

एनबीएफसी कर्ज देने में सतर्कता बरतें, अतिउत्साह से बचें : सीतारमण

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और लघु वित्त बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक के सुझाव के अनुरूप कर्ज देते समय सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने यहां 'डेट विद टेक' कार्यक्रम में आगाह किया कि एनबीएफसी और छोटे वित्त बैंकों को सीमा रेखा का सम्मान करना चाहिए और अतिउत्साहित नहीं दिखाना चाहिए।

सीतारमण ने कहा, ''उत्साह अच्छा है, लेकिन कभी-कभी लोगों के लिए इसे पचाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। इसलिए सावधानी के तौर पर आरबीआई ने छोटे वित्त बैंकों, एनबीएफसी को सचेत किया है कि वे इस बात को लेकर सावधान रहें कि इतनी तेजी से आगे न बढ़ें कि उन्हें बाद में किसी नकारात्मक पहलू का सामना करना पड़े।''

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा था कि वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए इस महीने की शुरुआत में असुरक्षित ऋणों पर केंद्रीय बैंक ने सख्त रुख अपनाया है। रिजर्व बैंक ने पिछले सप्ताह बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिये व्यक्तिगत और क्रेडिट कार्ड कर्ज जैसे असुरक्षित माने जाने वाले ऋण के नियमों को कड़ा किये जाने की घोषणा की।

उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश फातिमा बीवी का निधन

कोल्लम (केरल)/भाषा। उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश एवं तमिलनाडु की पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति फातिमा बीवी का बृहस्पतिवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 96 वर्ष की थीं।

एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि न्यायमूर्ति बीवी को बढ़ती उम्र संबंधी बीमारियों के कारण कुछ दिन पहले निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बृहस्पतिवार अपराह्न लगभग सवा 12 बजे उनका निधन हुआ। सूत्र ने कहा, ''उनका शव पतनमतिट्टा में स्थित उनके आवास वापस लाया जा रहा है। पतनमतिट्टा जुमा मस्जिद में कल (24 नवंबर को) उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।'' केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने न्यायमूर्ति बीवी के निधन पर शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने लड़कियों के सामने आने वाली शैक्षणिक चुनौतियों से पार पाने से लेकर विधि क्षेत्र में अपना करियर शुरू करने के बाद उच्चतम न्यायाशीध की पहली महिला न्यायाधीश बनने तक की न्यायमूर्ति बीवी की यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति बीवी मुस्लिम समुदाय की पहली महिला थीं, जो उच्च न्यायपालिका का हिस्सा बनीं और उन्होंने सामाजिक स्थितियों के सभी प्रतिकूल पहलुओं को एक चुनौती मानकर उनका सामना किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका जीवन सभी के लिए, खासकर महिलाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति बीवी को श्रद्धांजलि देने के लिए उन्हें केरल प्रभा पुरस्कार के लिए चुना गया है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने न्यायमूर्ति फातिमा बीवी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उच्चतम न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश ओर तमिलनाडु की राज्यपाल के रूप में अपनी छाप छोड़ी।

धन शोधन मामले में पूर्व मंत्री लाल सिंह को अंतरिम जमानत, जम्मू जेल से बाहर निकले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। यहां की एक विशेष अदालत ने बृहस्पतिवार को पूर्व मंत्री लाल सिंह को अंतरिम जमानत दे दी। सिंह को इस महीने की शुरुआत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था।

डोगरा स्वाभिमान संगठन पार्टी (डीएसएसपी) के अध्यक्ष सिंह बृहस्पतिवार शाम जम्मू जिला जेल से बाहर निकले और उनके रिश्तेदारों और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निरोधक (सीबीआई मामले) जम्मू, बाला ज्योति द्वारा उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के कुछ ही घंटों के भीतर पूर्व मंत्री को 7 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया गया था। सिंह की पत्नी और पूर्व विधायक कांता अंडोत्रा द्वारा संचालित एक शैक्षिक ट्रस्ट के खिलाफ मामले में ईडी जांच कर रही है। प्रधान सत्र न्यायाधीश (पीएमएलए के तहत नामित विशेष अदालत), जम्मू संजय परिहार ने सिंह को अंतरिम जमानत प्रदान करते हुए कुछ शर्तें भी लगाईं। धन शोधन का मामला इस मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर अक्टूबर 2021 के आरोपपत्र पर आधारित है।

असंतुष्टों को मनाने की कोशिश कर रहे हैं भाजपा के नव नियुक्त अध्यक्ष विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में विजयेंद्र येडीयुरप्पा और विपक्ष के नेता के रूप में आर अशोक की नियुक्ति पार्टी के एक वर्ग को पसंद नहीं आने के संकेतों के बीच ने विजयेंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सभी का विश्वास जीतने और कुछ नेताओं के बीच पैदा हुए 'मामूली मसलों' का समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य सरकार के पूर्व मंत्रियों वी सोमन्ना और अरविंद लिंबावली तथा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा विजयेंद्र और अशोक की नियुक्ति के बाद अप्रसन्नता जताये जाने के उपरांत विजयेंद्र का यह बयान आया है। प्रदेश में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव में हार के छह महीने बाद इस महीने की शुरुआत में दोनों नेताओं को यह दायित्व सौंपा।

भाजपा के दिग्गज नेता बी एस येडीयुरप्पा के बेटे विजयेंद्र ने आज विधायक रमेश जारकीहोली से उनके आवास पर मुलाकात की जो कथित तौर पर अप्रसन्न चल रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। बाद में संवाददाताओं को संबोधित करते हुये विजयेंद्र ने कहा कि वह गोकाक के विधायक के बयान को गंभीरता पूर्वक ले रहे हैं। उन्होने कहा, ये मामूली मुद्दे हैं, जिन पर मैने उन्हें संतुष्ट करने के लिये आज उनके साथ चर्चा की। मुझे उम्मीद है कि चर्चा से वह खुश हुये हैं। उन्होंने कहा कि वह पार्टी नेताओं के बयानों को 'नकारात्मक' तरीके से नहीं लेंगे और प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर सभी को भरोसे में लेंगे।

भाजपा प्रमुख ने कहा कि जारकीहोली ने उनसे आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को अधिकतम सीट जिताने के लिए मिल कर काम करने को कहा। जरकीहोली ने कहा कि उनका लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करना है जिसके लिए वह पार्टी को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने के लिए मिशनरी उत्साह के साथ काम करेंगे।विजयेंद्र ने कहा, ''मैं लोकसभा चुनाव में (कर्नाटक में) सभी 28 सीटें जीतकर अपना कर्तव्य निभाऊंगा।''

जारकीहोली ने संवाददाताओं से कहा कि ''एकमात्र उद्देश्य अगले साल लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए अधिकतम सीटें जीतना है क्योंकि उनका असंतोष एक पुराना मुद्दा है।'' इस बीच, पूर्व आवास मंत्री वी सोमन्ना ने कहा कि वह दिसंबर के बाद अपनी 'आगे के कदम' का खुलासा करेंगे। कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों के बीच उन्होंने कहा, 'वरिष्ठों ने मुझसे कहा है कि मैं 6 दिसंबर तक कुछ न बोलूं।' मैसूरु में वरुणा सहित दो निर्वाचन क्षेत्रों से विधानसभा चुनाव हारने के बाद सोमन्ना की इच्छा प्रदेश अध्यक्ष बनने की थी।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष कांथाराजू ने कहा-

'कर्नाटक में जाति आधारित जनगणना पूरी तरह वैज्ञानिक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एच कांथाराजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण या जाति आधारित जनगणना की कवायद पूरी तरह वैज्ञानिक थी। उन्होंने कहा कि सभी को सर्वेक्षण पर अपनी राय रखने का हक है लेकिन उसका अध्ययन करने से पहले ही टिप्पणी करना सही नहीं है। कांथाराजू ने कहा, 'सर्वेक्षण वैज्ञानिक है या अवैज्ञानिक है, इसका सत्यापन करके ही फैसला करना चाहिए। मैं तो कहूंगा कि यह पूरी तरह वैज्ञानिक रिपोर्ट है क्योंकि हमने इस पर काम किया है, प्रक्रिया देखी है और हर घर तक पहुंचने का प्रयास किया है। इसे अवैज्ञानिक कहना सही नहीं है।' सिद्दरामैया नीत पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 2015 में सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक सर्वे की शुरुआत की थी। इसके परिणाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को इसके तत्कालीन अध्यक्ष कांथाराजू के नेतृत्व में जाति जनगणना की रिपोर्ट तैयार करने का काम सौंपा गया था। सर्वेक्षण का काम 2018 में पूरा कर लिया गया था। इसी साल सिद्दरामैया का पहला कार्यकाल समाप्त हुआ और रिपोर्ट को स्वीकार नहीं किया गया या सार्वजनिक नहीं किया गया।

कर्नाटक की वर्तमान कांग्रेस सरकार पर कुछ वर्गों से सर्वेक्षण को सार्वजनिक करने का दबाव है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा है कि उन्हें रिपोर्ट मिलने के बाद निर्णय लिया जाएगा। हालांकि, कर्नाटक के दो प्रभावशाली समुदायों वोक्कालिगा और लिंगायत ने सर्वेक्षण को नामंजूर करते हुए इसे अवैज्ञानिक कहा है और मांग की है कि इसे खारिज किया जाए और नये सिरे से सर्वेक्षण कराया जाए।

उद्घाटन

बेंगलूरु में गुरुवार को मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने बाल भवन में बाल दिवस 2023 का उद्घाटन करती हुईं।

जातिगत जनगणना रिपोर्ट पर प्रभावशाली समुदायों के विरोध से कांग्रेस सरकार मुश्किल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के सामाजिक-आर्थिक एवं शिक्षा सर्वेक्षण की रिपोर्ट सरकार के समक्ष आने से पहले ही विवादों के बीच घिर गई है। सामाजिक-आर्थिक एवं शिक्षा सर्वेक्षण सत्तारूढ़ कांग्रेस के लिए गले की फांस बनता जा रहा है, जिसे, जिसे 'जाति जनगणना' के रूप में भी जाना जाता है। दरअसल सर्वेक्षण पार्टी के भीतर कलह की वजह बन रहा है क्योंकि प्रभावशाली समुदाय इसे स्वीकार करने से मना कर रहे हैं और सर्वे की मूल प्रति गायब होने का आरोप लगा रहे हैं।

ऐसे भी संकेत मिल रहे हैं कि कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा सर्वेक्षण रिपोर्ट दाखिल करने में भी विलंब हो रहा है, जिसकी वजह से सरकार रिपोर्ट के दाखिल होने तक आयोग के मौजूदा अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े का कार्यकाल दो महीने तक के लिए बढ़ा सकती है। हेगड़े का कार्यकाल इस महीने समाप्त हो रहा है।राज्य सरकार और मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को मुश्किल में डालने का काम किया है उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने। सिद्दरामैया ने मंगलवार को जोर देकर कहा था कि रिपोर्ट को स्वीकार करने का उनका फैसला अटल है वहीं शिवकुमार ने एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें उनसे सर्वेक्षण के डेटा को खारिज करने का अनुरोध किया गया था। शिवकुमार के साथ-साथ कांग्रेस के कई नेताओं ने इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

ठग सुकेश की लेम्बोर्गिनी, रॉल्स रॉयस और पोर्शे समेत 11 महंगी गाड़ियां होंगी नीलाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आयकर विभाग जेल में बंद कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर के महंगे वाहनों की अगले सप्ताह बेंगलूरु में नीलामी करेगा। सुकेश पर कई संस्थानों की बकाया राशि को वसूलने के प्रयास के तहत यह कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, ऐसी 11 गाड़ियां और एक बाइक की 28 नवंबर को ई-नीलामी की जाएगी। जो कारें नीलामी के लिए होंगी उनमें बीएमडब्ल्यू एम5, टोयोटा प्राडो, रेंज रोवर, लेम्बोर्गिनी, जगुआर एक्सकेआर कूप, रोल्स रॉयस, बेंटले, इनोवा क्रिस्टा, टोयोटा फॉर्च्यूनर, निसान टीना और पोर्शे शामिल हैं। इन 11 कारों के अलावा, आईटी विभाग उनकी (सुकेश की) स्पोर्ट्स क्रूजर बाइक-डुकाटी डायवेल की भी नीलामी करेगा। विभाग की ओर से जारी नोटिस का हवाला देते हुए सूत्रों ने बताया कि इन गाड़ियों की कीमत 2.03 लाख रुपये से लेकर 1.74 करोड़ रुपये तक है।

विभाग द्वारा केरल और तमिलनाडु समेत देश के विभिन्न हिस्सों से जब्त किये गये इन वाहनों की ऑनलाइन नीलामी की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि फिलहाल, विभाग द्वारा ''बेहतर स्थिति'' में बताए गए इन वाहनों को निरीक्षण के लिए शुक्रवार तक केंद्रीय राजस्व भवन में रखा गया है। सूत्रों ने दावा किया कि 10 नवंबर तक चंद्रशेखर पर विभिन्न सरकारी संस्थानों का 308.48 करोड़ रुपये बकाया है। सूत्रों ने कहा, सुकेश के इन वाहनों को आयकर विभाग ने वर्ष 2018 में केरल और तमिलनाडु सहित देश के विभिन्न हिस्सों से जब्त किया था। उस पर विभिन्न सरकारी संस्थानों का कई करोड़ रुपये बकाया है, इसलिए हमने इन महंगी गाड़ियों की नीलामी के जरिए बकाया वसूलने का फैसला किया।

फिलहाल दिल्ली जेल में बंद चंद्रशेखर पर प्रमुख फार्मा कंपनी 'रैनबैक्सी' के पूर्व मालिक शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह से लगभग 200 करोड़ रुपये की उगाही करने के लिए शीर्ष सरकारी अधिकारियों का भेष धारण करने का आरोप है।

कथित ठग पर दावा किया गया था कि उसने धन शोधन मामले में जेल में बंद अदिति सिंह के पति की रिहाई कराने का वादा करके धोखाधड़ी की थी। इस बीच, धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भी चन्द्रशेखर के खिलाफ जांच की जा रही है।

वरिष्ठ भाजपा नेता सोमन्ना ने पार्टी संगठन से जताई नाराजगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। भाजपा के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद करते हुए पार्टी के प्रमुख नेता और पूर्व मंत्री वी. सोमन्ना ने 6 दिसंबर के बाद अपनी भविष्य की कार्ययोजना का खुलासा करने की घोषणा की है। इस साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव में हार के बाद सोमन्ना भगवा पार्टी से दूरी बनाए हुए हैं। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए दावा पेश किया था, जो पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस.येडीयुरप्पा बेटे विजयेंद्र येडीयुरप्पा को दे दिया गया।

विधानसभा चुनाव से पहले उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमन्ना को कांग्रेस में बड़ा पद देने की पेशकश की थी। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि सोमन्ना ने बीजेपी में ही रहने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि सोमन्ना और शिवकुमार एक ही क्षेत्र से हैं और उनके बीच अच्छा रिश्ता है, इसलिए यह पेशकश अभी भी कायम है। यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए सोमन्ना ने कहा कि वह पूर्व मंत्री और वरिष्ठ दलित नेता अरविंद लिंबावली के इस बयान से सहमत

हैं कि पार्टी वरिष्ठ नेताओं को नजरअंदाज करती है।

उन्होंने परोक्ष रूप से येडीयुरप्पा पर हमला करते हुए कहा, 6 दिसंबर के बाद, मैं सब कुछ विस्तार से बताऊंगा। मैं बताऊंगा कि मैं बीजेपी से कैसे पस्त हूं। राजनीति एक परिवार तक सीमित नहीं है।

राजनीति कोई ड्रामा कंपनी नहीं है. यह आंतरिक समायोजन तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, मुझसे किसी ने संपर्क नहीं किया है और इसी तरह मैंने भी किसी से संपर्क नहीं किया है। सोमन्ना को चामराजनगर जिले के दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ाया गया। एक सीट पर उनका मुकाबला सिद्दरामैया से था। दोनों सीटों पर उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

इससे पहले, उन्होंने बेंगलूरु में गोविंदराज नगर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। बाद में उन्होंने कहा कि उन्हें अंदरूनी लोगों ने फंसाया है।

विशेष रूप से, सोमन्ना उन कुछ राजनेताओं में से एक हैं जिन्होंने जातिगत समर्थन के बिना जीत दर्ज की। गोविंदराजनगर निर्वाचन क्षेत्र में वोक्कालिगा समुदाय का प्रभुत्व है। भाजपा ये सीट कांग्रेस से हार गई. सूत्रों ने बताया कि सोमन्ना जल्द ही तुमकुर में एक विशाल सम्मेलन आयोजित करके अपना शक्ति प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे हैं।

दम घुटने से दो श्रमिकों की मौत

बेंगलूरु। बेंगलूरु के करीब आनेकल तालुका में एक कारखाने में भूमितगत पानी के टैंकर की कथित तौर पर सफाई के दौरान दो श्रमिकों की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बिहार के रहने वाले चंदन राजवंशी (29) और उनके भाई पिंटू राजवंशी (21) पिछले कुछ समय से कारखाने में काम कर रहे थे।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कहे जाने के बाद दोनों भाई बुधवार शाम टैंक की सफाई के लिए उतरे, लेकिन दम घुटने पर मदद के लिए चिल्लाए। उन्होंने बताया कि दो लोग उनकी मदद के लिए दौड़े और उन्हें निकालने की कोशिश करने लगे, लेकिन दोनों भाई अचेत हो गए और उनकी जान चली गई।

बेंगलूरु में गुरुवार को विपक्ष के नेता आर अशोक विधान सौधा में अपने कार्यालय के उद्घाटन के दौरान पूर्व सीएम बीएस येड्डीयुरप्पा, बसवराज बोम्मई और अन्य।

पत्नी को जिंदा जलाने की कोशिश करने वाला शख्स गिरफ्तार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । पुलिस ने एक व्यक्ति को अपनी पत्नी पर पेट्रोल डालने और उसे जिंदा जलाने की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी श्रीनिवास को अपनी पत्नी पुष्पा की वफादारी पर शक था और वह अक्सर उससे झगड़ा करता था। बुजुर्गों के हस्तक्षेप के बाद दंपति में सुलह हो गई। गत 16 नवंबर की रात श्रीनिवास नशे की हालत में घर आया और अपनी पत्नी से झगड़ा करने लगा। मामला तब बिगड़ गया जब उसने उस पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। हालाँकि जब पुष्पा मदद के लिए चिल्लाने लगी तो श्रीनिवास ने तुरंत उस पर पानी डाल दिया। बाद में वह स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए विक्टोरिया अस्पताल ले गया। पुष्पा की हालत में सुधार और खतरे से बाहर बताया जा रहा है। बनशंकरी पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज किया।

सिलेंडर विस्फोट में एक ही परिवार के पांच लोग घायल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के बेंगलूरु में बुधवार को एक मकान में गैस सिलेंडर फटने से बच्चों सहित एक ही परिवार के पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना सुबह करीब छह बजे उस समय की है जब मारुति लेआउट इलाके में स्थित किराए के एक मकान में परिवार के एक सदस्य ने लाइट जलाई।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'घर में सिलेंडर फटने से परिवार के पांच लोग घायल हो गए। घायलों में एक व्यक्ति, उसकी पत्नी और एक नाबालिग बेटे की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका इलाज यहां विक्टोरिया अस्पताल में किया जा रहा है।

बुजुर्ग ने मासूम का बलात्कार किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में चॉकलेट का लालच देकर 76 वर्षीय व्यक्ति ने नाबालिग लड़की (10) से बलात्कार किया। कर्नाटक पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने लड़की से वादा किया था कि वह उसके लिए चॉकलेट खरीदेगा और उसे नाले के पास ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। घर वापस आकर लड़की ने घटना के बारे में अपने माता-पिता को बताया। माता-पिता ने तुरंत पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत शिकायत दर्ज कराई।

स्कूल में ब्राह्मण छात्रा को अंडे खाने के लिए किया मजबूर, शिकायत दर्ज

शिवमोग्गा। कर्नाटक के शिवमोग्गा में सरकारी स्कूल के हेडमास्टर और उनके सहायक उस समय मुश्किल में फंस गए, जब एक ब्राह्मण छात्रा के पिता ने उन पर अपनी बेटी को अंडे खाने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। शिवमोग्गा के पास होसनगरा तालुक के अमृता गांव में केपीएस प्राइमरी स्कूल में हुई घटना के संबंध में पीड़ित पिता ने शिक्षा विभाग से शिकायत की है। अपनी शिकायत में, श्रीकांत ने कहा था कि ब्राह्मण समुदाय से आने वाली उनकी बेटी को स्कूल में जबरदस्ती अंडा खाने के लिए मजबूर किया गया था।

गन्ना किसानों ने कोल्हापुर में मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग को अवरुद्ध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। किसानों ने पिछले साल खरीदे गए गन्ने के अतिरिक्त भुगतान की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को कोल्हापुर में मुंबई-बेंगलूरु राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया जिससे महत्वपूर्ण मार्ग पर यातायात थम गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे स्वाभिमानी शेतकारी संगठन नेता राजू शेट्टी ने कहा कि किसानों को बीते वर्ष खरीदे गए गन्ने के लिए 100 रुपये प्रति टन का अतिरिक्त भुगतान किया जाना चाहिए।

लोकसभा के पूर्व सदस्य शेट्टी ने कहा,'मिल मालिक अगले वर्ष से अतिरिक्त राशि देने के लिए राजी हो गए हैं लेकिन वह बीते वर्ष का अतिरिक्त भुगतान करने से मना कर रहे हैं। जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं तबतक राजमार्ग पर प्रदर्शन जारी रहेगा।' कोल्हापुर के पुलिस अधीक्षक महेंद्र पंडित ने कहा कि राजमार्ग अब भी अवरुद्ध है और यातायात को दूसरे मार्ग की ओर मोड़ दिया गया है।

उच्च न्यायालय ने उदयनिधि स्टालिन, राजा के खिलाफ याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने सनातन धर्म विवाद में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के मंत्रियों उदयनिधि स्टालिन और पी के शेखर बाबू तथा पार्टी सांसद ए राजा के खिलाफ दायर याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को आदेश सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति अनीता सुमंत ने याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील टी. वी. रामानुजम और जी राजगोपाल तथा क्रमशः उदयनिधि और बाबू के लिए पी विल्सन और एन ज्योति की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद बिना कोई तारीख बताए आदेश सुरक्षित रख लिया। वरिष्ठ वकील आर विदुथलाई ने राजा का प्रतिनिधित्व किया। द्रमुक नेताओं पर सनातन धर्म विरोधी बैठक में भाग लेने और भाषण देने का आरोप लगाते हुए दक्षिणपंथी संगठन हिंदू मुन्नानी के पदाधिकारी टी मनोहर और दो अन्य ने याचिकाएं दायर कीं। बृहस्पतिवार को, वरिष्ठ वकील राजगोपाल की दलीलों के जवाब में कहा कि द्रमुक नेता हिंदुओं के खिलाफ बोल रहे थे, विल्सन ने कहा कि राज्य के बहुमत और यहां तक कि द्रमुक कैडर के अधिकांश लोग हिंदू हैं और द्रविड़ पार्टी को हिंदुओं द्वारा चुना गया।

इस तरह की दलीलों से पता चलता है कि यह याचिका राजनीति से प्रेरित है तथा अदालत से अपील की गई कि इसे राजनीतिक और वैचारिक लड़ाई के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति न दी जाए।

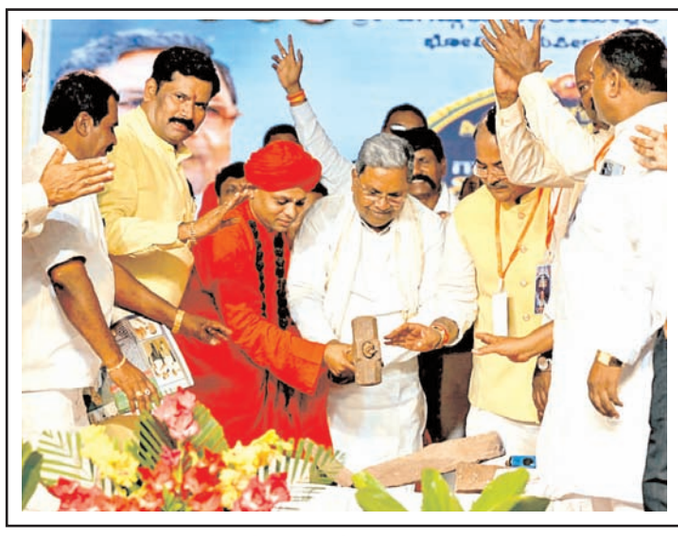

उद्घाटन

बागलकोट में गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शरण बसवा अप्पंगल कुटीरा का उद्घाटन करते हुए।

कर्नाटक में बिजली आपूर्ति को लेकर कोई समस्या नहीं है: जॉर्ज

हैदराबाद/बेंगलूरु। कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के. जे. जॉर्ज ने उनके राज्य में शासन के बारे में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के आरोपों पर पलटवार करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि पांच से दस दिन को छोड़कर, वहां बिजली आपूर्ति के संबंध में कोई समस्या नहीं है। मंत्री ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पिछली सरकार को अपने कार्यकाल के दौरान राज्य में स्थापित बिजली क्षमता को नहीं बढ़ाने के लिए दोषी ठहराया और इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस ने राज्य के सामने आए अल्पकालिक संकट से निपटने के लिए सभी प्रयास किये।

जॉर्ज की टिप्पणी सत्तारूढ़ बीआरएस द्वारा कांग्रेस पर निशाना साधने के बाद आई है। बीआरएस ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस द्वारा शासित पड़ोसी राज्य कर्नाटक बिजली कटौती से जूझ रहा है, जबकि सबसे पुरानी पार्टी तेलंगाना के लोगों से वादे कर रही है। जॉर्ज ने कहा कि कर्नाटक में कुछ बिजली संयंत्रों को मानसून के दौरान रखरखाव के लिए बंद कर दिया गया था, जिससे अस्थायी रूप से बिजली कटौती हुई थी।

उन्होंने कहा, जब भी किसानों ने अनुरोध किया है, हमने तुरंत उन्हें उनकी फसल बचाने के लिए पर्याप्त रूप से बिजली दी है। कोई शिकायत नहीं थी। समस्या केवल पांच या 10 दिन हुई थी। हमने तुरंत उन चीजों को सुलझा लिया है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया जा रहा है।

कांग्रेस कर्नाटक में चुनावी गारंटी लागू नहीं कर रही : नड्डा

बेंगलूरु/हैदराबाद। कांग्रेस पर कर्नाटक में उसकी चुनावी गारंटी लागू नहीं करने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में कांग्रेस और सत्तारूढ़ बीआरएस दोनों जनता से झूठे वादे करते हैं।

नड्डा ने यहां सांगारेड्डी कस्बे में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कर्नाटक की जनता कांग्रेस सरकार द्वारा किये गये 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने जैसे वादों के लागू होने का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस और केसीआर (बीआरएस अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव) गारंटियों की बात करते हैं। कांग्रेस हो या केसीआर, सत्ता में आई तो भ्रष्टाचार और परिवार के शासन की गारंटी है।

गुर्जरों का अपमान किया है कांग्रेस ने : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को लेकर बृहस्पतिवार को एक बार फिर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि गुर्जर समाज का एक बेटा राजनीति में जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है लेकिन सत्ता मिलने के बाद उसे दूध में से मक्खी की तरह निकाल कर फेंक दिया जाता है। मोदी ने देवगढ़ (राजस्थान) में एक चुनाव जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ...गुर्जर समाज का एक बेटा राजनीति में जगह बनाने के लिए संघर्ष करता है। पार्टी के लिए जान लगाता है और सत्ता मिलने के बाद 'शाही परिवार' की शह पर उसे दूध में से मक्खी की तरह निकाल कर फेंक दिया जाता है। उन्होंने कहा, स्वर्गीय राजेश पायलट जी के साथ भी इन्होंने यही किया और उनके बेटे के साथ भी यही कर रहे हैं। मोदी ने कहा, गुर्जरों का जितना अपमान कांग्रेस ने किया है... यह राजस्थान की पहली पीढ़ी ने भी देखा है और आज की पीढ़ी भी देख रही है। कल राजस्थान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा था, 'राजेश पायलट जी ने कभी इस कांग्रेस परिवार को चुनौती दी थी, लेकिन यह परिवार ऐसा है कि राजेश जी को तो सजा दी, उनके बेटे (सचिन पायलट) को भी सजा देने में लगे हुए हैं। मोदी का इशारा उस घटना की ओर था जब राजेश पायलट ने 1997 में पार्टी अध्यक्ष पद के लिए सीताराम केसरी के खिलाफ चुनाव लड़ा और इसके बाद पार्टी आलाकमान का समर्थन एक तरह से गंवा दिया था।

राजेश पायलट के बेटे और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कल मोदी के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और जनता का ध्यान भटकाने वाला बताया था। पायलट गुर्जर समाज के नेता हैं और 2018 के विधानसभा चुनाव में पूर्वी राजस्थान में गुर्जर समाज ने कांग्रेस को वोट दिया था। अपने बयान पर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रियाओं पर मोदी ने कहा, कांग्रेस मेरे असली सवालों के जवाब नहीं दे रही... कांग्रेस पूरी ताकत से झूठ बोल रही है कि कांग्रेस के 'शाही परिवार' ने राजेश पायलट का कभी अपमान नहीं किया.. जो सवाल मैं उठाता हूं उसके जवाब दो ना।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सचिन पायलट को दी गई गालियों को कैसे झुठला सकती है। मोदी ने जयपुर में अपने रोड शो के दौरान कांग्रेस के पोस्टरों पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की फोटो नहीं दिखाई देने का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस को दलित की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कांग्रेस के पोस्टर पर गहलोत जी दिख रहे हैं.. 'शाही परिवार' के लोग दिख रहे हैं.. हमारे खरगे जी नहीं दिख रहे.. .. क्या दलित मां के बेटे के साथ कांग्रेस पार्टी यह व्यवहार करती है ? राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होना है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा राजस्थान ने आज तक इससे बड़ी महिला विरोधी सरकार नहीं देखी। इसलिए राजस्थान के जन जन ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले लिया है। उन्होंने आरोप लगाया जल हो, नभ हो, थल हो... कांग्रेस का पंजा एक ही काम करता हैलूटो। मोदी ने कहा कि राज्य में अगर भाजपा की सरकार बनी तो वह मौजूदा सरकार के अच्छे कामों को बंद नहीं करेगी। उन्होंने कहा, पांच साल पहले जब यहां कांग्रेस की सरकार बनी थी तो उसने (पूर्ववर्ती) भाजपा सरकार की सारी अच्छी योजनाओं पर ताला लगा दिया .. तीन दिसंबर को जो भाजपा सरकार यहां बनेगी वह कांग्रेस जैसा जनविरोधी काम नहीं करेगी।

उन्होंने कहा, हमारे लिये तो जनता जर्नादन सर्वोपरि है.. कोई भी सरकार रही हो.. अगर उसने सच्चे अर्थ में जन कल्याण काम किया है और उसमें कोई अच्छी बात है.. देश के काम की बात है.. तो मोदी उसे आगे बढ़ाने के पक्ष में रहता है, बैरवृत्ति से काम नहीं करता है। इसलिये राजस्थान में भी जो भी अच्छा होगा, उसे आगे बढ़ाया जायेगा.. यह मेरा आपको भरोसा है... हां, उसमें भ्रष्टाचार के लिये जो खिड़कियां रखी होंगी, उन्हें मैं बंद कर दूंगा। मोदी ने कहा कि जहां कांग्रेस से उम्मीद खत्म होती है वहां से मोदी की गांरटी शुरू होती है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने के लिए षड्यंत्र रच रही है भाजपा : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लाल डायरी और महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले को भारतीय जनता पार्टी का राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव जीतने के लिए रचा गया षड्यंत्र करार दिया। उन्होंने इसकी जांच उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से करवाने की मांग की। गहलोत ने दावा किया कि उनकी सरकार के खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी' लहर नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी।

गहलोत ने दिवंगत कांग्रेस नेता राजेश पायलट को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी की भी आलोचना की और कहा कि भाजपा राज्य में गुर्जर समुदाय को भड़काना चाहती है।

यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में गहलोत ने कहा, एक मांग में महादेव ऐप व लाल डायरी मामले के बारे में करना चाहूंगा...उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से इसकी जांच कराई जानी चाहिए। भाजपा ने चुनाव के दौरान ये जो षड्यंत्र किया, चुनाव जीतने के लिए, यह बहुत बड़ा षड्यंत्र है। इसकी जांच होनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ में महादेव ऐप मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया, षड्यंत्रकारी लोग हैं... चार दिन पहले वहां के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने की इनकी साजिश थी। उसका पर्दाफाश हो गया। मुझे दुख होता है कि प्रधानमंत्री के स्तर पर षड्यंत्र करके आप प्रधानमंत्री के मुंह से लाल डायरी बुलवा रहे हो.. आप महादेव ऐप बुलवा रहे हो...यहां लाल डायरी और वहां छत्तीसगढ़ में महादेव ऐप ...वहां (छत्तीसगढ़ में) पर्दाफाश हो गया, राजस्थान में भी सच्चाई सामने आ गई।

गहलोत ने पूछा, कहां गई लाल डायरी? राजस्थान में ईडी, आयकर विभाग के 50 छापे पड़े। क्या कोई नेता, कोई अधिकारी पकड़े गए? उन छापों का क्या हुआ? मुख्यमंत्री ने दावा किया, भाजपा ने पूरी कोशिश कर ली, लेकिन राजस्थान में सरकार नहीं गिरा पाई। आज उन्हें इसी बात की टीस सता रही है। मुख्यमंत्री गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा अखबारों में राजस्थान की आपराधिक घटनाओं से जुड़ी समाचारों की कतरनों वाले पूरे पन्ने के विज्ञापन प्रकाशित कराए जाने की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि भाजपा लोगों को गुमराह कर और षड्यंत्र रचकर चुनाव जीतना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में एक युवती के साथ छेड़छाड़ हुई लेकिन उसकी कोई चर्चा नहीं है। गहलोत ने कहा कि दिल्ली में महिला पहलवान धरने पर बैठी रहीं और उन्होंने भाजपा सांसद पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया लेकिन प्रधानमंत्री ने कोई परवाह नहीं की।

भाजपा द्वारा उदयपुर के कन्हैया लाल हत्याकांड को चुनावी मुद्दा बनाए जाने पर गहलोत ने कहा कि जिन लोगों ने कन्हैया लाल की हत्या की, वे चार साल से भाजपा के कार्यकर्ता थे और आरोपी जब पहले किसी अन्य मामले में पकड़े गए थे तो वहां के उप महापौर समेत भाजपा नेताओं ने उन्हें थाने से छुड़वाया था।

कांग्रेस की परिवारवाद की राजनीति से राजस्थान की जनता त्रस्त : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे जनता बहुत त्रस्त है। इसके साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनेगी।

शाह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, बीते पांच साल में कांग्रेस ने परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति का परिचय दिया है। इससे राजस्थान की जनता बहुत त्रस्त है। उन्होंने कहा, पांच साल में, राजस्थान में अगर सबसे खराब स्थिति किसी की रही है तो महिलाओं और दलितों की रही है। गहलोत सरकार में तुष्टीकरण की राजनीति चरम सीमा पर है। राजस्थान सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के कारण दंगाइयों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। गृह मंत्री ने कहा, हर कोने में कांग्रेस हार रही है, भाजपा जीत रही है। पूरे राजस्थान का दौरा करने के बाद मैं विश्वास के साथ बताना चाहता हूं कि राजस्थान में अगली सरकार भाजपा की बन रही है। राजस्थान के हर कोने में जनता ने परिवर्तन का मूड बनाया हुआ है और हर क्षेत्र में विफल कांग्रेस सरकार को विदाई देने के लिए राजस्थान के लोगों ने अपना मन बना लिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होना है और वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा घोषित सात गारंटियों पर कटाक्ष करते हुए शाह ने कहा, गहलोत साब की खुद की कोई गारंटी नहीं है वो भला क्या गारंटी दे रहे हैं?' शाह ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा का सबसे कठिन संकल्पों को पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड है। भाजपा को बहुमत मिलने की स्थिति में मुख्यमंत्री के चयन संबंधी एक सवाल पर उन्होंने कहा कि यहां के विधायक ही इस बारे में फैसला करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर राहुल गांधी के 'पनौती' वाले बयान पर शाह ने कहा कि मोदी जी के लिए राजस्थान में अपशब्दों का प्रयोग किया गया है और जनता मतदान में इसका जवाब देगी।

शाह, योगी, शिंदे ने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान में विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा और राजसमंद के नाथद्वारा में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में रोड शो किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जयपुर में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में रोड शो किया। शाह जयपुर से निम्बाहेड़ा पहुंचे और पार्टी प्रत्याशी श्रीचंद कृपलानी के समर्थन में चार किलोमीटर लंबा रोड शो किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी पी जोशी भी सजे हुए खुले वाहन में शाह और कृपलानी के साथ मौजूद थे। निंबाहेड़ा में रोड शो माल गोदाम रोड, नेहरू पार्क, चंदन चौक, बस स्टैंड से होते हुए भैरों सिंह शेखावत सर्किल पर संपन्न हुआ।

नाथद्वारा में शाह ने पार्टी प्रत्याशी विश्वराज सिंह मेवाड़ के समर्थन में रोड शो किया। जयपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में और एकनाथ शिंदे ने हवामहल विधानसभा क्षेत्र में रोड शो किया।

चुनाव प्रचार का दौर थमा, मतदान कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए जनसभाओं एवं रैलियों का दौर बृहस्पतिवार को थम गया। उम्मीदवार अब घर घर जाकर ही मतदाताओं से अपील करेंगे। राजस्थान में कुल 200 विधानसभा सीट में 199 के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा। इन सीट पर 5,25,38,105 मतदाता हैं और 1863 उम्मीदवार हैं।

निर्वाचन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव 2023 के लिए चुनाव प्रचार बृहस्पतिवार शाम छह बजे थम गया। शनिवार को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। नियमों के अनुसार अब चुनाव को लेकर कोई जनसभा या जुलूस नहीं निकाल सकेगा। अब मतदान से पूर्व चुनाव संबंधी कोई भी मामला टेलीविजन या किसी अन्य माध्यम से जनता के लिये प्रसारित नहीं किया जा सकता।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इन प्रावधानों का उल्लंघन करता है, तो उसे दो साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जाएगा। चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि कोई भी राजनीतिक व्यक्ति, जो उस निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता या उम्मीदवार नहीं है या सांसद या विधायक नहीं है, वह चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद उस निर्वाचन क्षेत्र में नहीं रह सकता है।

राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ कांग्रेस एवं मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी में माना जा रहा है।

कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रचार अभियान को मुख्य रूप से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार के कामों, उसकी योजनाओं और कार्यक्रमों पर केंद्रित किया। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में सात महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की है वहीं भाजपा राज्य में अपराध, तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस पर हमलावर रही है। कांग्रेस की ओर से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और अन्य नेताओं ने कई चुनावी सभाओं को संबोधित किया। भाजपा के प्रचार अभियान की बागडोर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संभाली। उन्होंने बीते कई दिनों में अनेक जगह जनसभाएं कीं। उन्होंने बीकानेर और जयपुर में रोड शो भी किया।

इसी तरह भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी व राजनाथ सिंह ने भी अनेक जगह जनसभाएं कीं। राज्य में 200 विधानसभा सीट हैं लेकिन करणपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार गुरमीत सिंह कुन्नर का निधन हो गया है जिसके कारण 199 सीटों पर मतदान होगा।

मैंने जो काम किया है वह जनता के सामने है : भाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के खान मंत्री प्रमोद जैन भाया ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने विकास के लिए जो काम किये हैं वह जनता के सामने है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में भ्रष्टाचार को लेकर एक रैली में कहा था ''भाया रे भाया, खूब खाया।'' उन्होंने एक तरह से सांगोद से कांग्रेस विधायक भरत सिंह कुंदनपुर द्वारा खान मंत्री भाया पर लगाये गये भ्रष्टाचार के आरोपों की ओर इशारा करते हुए उक्त टिप्पणी की थी। इस पर पलटवार करते हुए भाया ने कहा कि मतदान के दिन मतदाता जवाब देंगे। बारां की अंता सीट से चुनाव लड़ रहे भाया ने कहा कि मोदी ने कुछ दिन पहले बांरा में अपनी चुनावी रैली के दौरान पार्टी उम्मीदवारों और अन्य स्थानीय नेताओं के बारे में बात करने के बजाय अपना संबोधन उन पर (भाया) केंद्रित किया था। भाया ने बारां में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'मोदी ने बारां में अपनी रैली में केवल 'भाया-भाया' कहा। उन्हें अपने उम्मीदवारों के बारे में बात करनी चाहिए थी। मोदी का कोई प्रभाव नहीं है।

उन्होंने कहा, मैंने बहुत सारे विकास कार्य किए हैं और मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोग इसे अच्छी तरह से जानते हैं। वे विकास के एजेंडे के लिए वोट करेंगे और मोदी के आरोपों का जवाब लोग 25 नवंबर को मतदान में देंगे।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस और भाजपा के बीच सत्ता बदलने की दशकों पुरानी परंपरा इस बार टूट जाएगी और कांग्रेस एक बार फिर सरकार बनाएगी। भाजपा पूरी तरह से बेनकाब हो गई है और उसके पास लोगों से कहने के लिए कुछ नहीं है।

इसलिए भाजपा नेता भ्रामक भाषण देते हैं, लोगों का धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करने की कोशिश करते हैं, लेकिन लोग उन्हें समझ गए हैं और भाजपा को वोट नहीं देंगे। भाया ने कहा कि कांग्रेस ने जो सात गारंटी का वादा किया था, उसका जमीनी स्तर पर असर उत्साहवर्धक है।

कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं, दोबारा हमारी सरकार बनेगी : मुख्यमंत्री गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि राज्य में उनकी सरकार के खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी' लहर नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, राजस्थान में सरकार के खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है.. दोबारा हमारी सरकार बनने जा रही है। गहलोत ने कहा, जनता जानती है कि हमने अपनी दस गारंटी पूरी कर दी हैं। अगली सात गारंटी के लिए जनता का विश्वास हम पर है ... कोई भी राजस्थान में आपको नहीं कहेगा कि सरकार के खिलाफ कोई 'एंटी इनकंबेंसी' है। यह हमारी बहुत बड़ी उपलब्धि है।

प्रचार

पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे भादरा विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार संजीव बेनीवाल के समर्थन में हुई विशाल जनसभा को संबोधित किया।

'पुरानी पेंशन योजना के लिए समिति नहीं, प्रतिबद्धता व गारंटी चाहिए'

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल करने को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और कहा कि इसके लिए कमेटी नहीं, कमिटमेंट (प्रतिबद्धता) एवं गारंटी चाहिए। उन्होंने ओपीएस के बारे में शाह की टिप्पणी को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर शेयर करते हुए लिखा, कांग्रेस कहती है ओपीएस की गारंटी। भाजपा कहती है कमेटी। ये फर्क है कांग्रेस और भाजपा में। गारंटी और कमेटी के बीच।

इससे पहले शाह से जब यहां संवाददाता सम्मेलन में ओपीएस पर केंद्र सरकार के रुख के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, हमने विचार के लिए एक कमेटी बनाई है। वो कमेटी उस पर काम कर रही है।

राजस्थान में कांग्रेस के पक्ष में माहौल, इस बार रिवाज बदलेगा : खरगे

नयी दिल्ली/जयपुर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के आखिरी दिन बृहस्पतिवार को दावा किया कि अशोक गहलोत सरकार की कल्याकारी योजनाओं एवं पार्टी की सात 'गारंटी' के चलते प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है तथा हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज इस बार बदलेगा।

राजस्थान में बृहस्पतिवार शाम चुनाव प्रचार थम जाएगा। प्रदेश की सभी 200 विधानसभा सीट के लिए आगामी 25 नवंबर को मतदान होगा। मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राजस्थान के चुनाव प्रचार का आज आख़री दिन है। वीरों और रणबांकुरों की पावन धरती राजस्थान ने हमारी जन-कल्याणकारी योजनाओं को स्वीकारा है। कांग्रेस पार्टी की 7 गारंटी पर अपना भरोसा जताने के लिए एक करोड़ से भी ज़्यादा परिवारों को धन्यवाद। पूरे राज्य में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में माहौल है।

धामी ने सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उत्तरकाशी/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में पहुंचकर उसमें फंसे श्रमिकों से बातचीत की और उनका हौसला बढ़ाया ।

इस बीच,सिलक्यारा में सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए जारी बचाव अभियान के मद्देनजर घटनास्थल के पास मातली में अस्थायी रूप से मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय बना दिया गया है । सुबह सुरंग के प्रवेश द्वार पर स्थित बाबा बौखनाग के मंदिर पर सिर झुकाते हुए मुख्यमंत्री ने उनसे सभी श्रमिकों के जल्द बाहर आने की प्रार्थना की।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत) वी के सिंह के साथ बचाव कार्यों का जायजा लेने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ प्रो अर्नोल्ड डिक्स से अभियान के तकनीकी पक्ष के बारे में जानकारी ली।

उसके बाद मुख्यमंत्री ने सुरंग में स्थापित 'ऑडियो कम्युनिकेशन सेटअप' के माध्यम से पिछले 11 दिन से अंदर फंसे श्रमिकों से बात की। उन्होंने श्रमिकों का हाल-चाल लेते हुए उन्हें बताया कि राहत एवं बचाव कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है और बचावकर्मी उनके बहुत नजदीक पहुंच चुके हैं।

धामी ने कहा, ''हम करीब 45 मीटर (मलबे के जरिए) आ चुके हैं। पूरा देश आपके साथ खड़ा है। आप सभी लोग हौसला बनाएं रखें।''

मुख्यमंत्री ने दो श्रमिकों-- गब्बर सिंह नेगी और सबा अहमद से श्रमिकों के बारे में पूछा और सबका मनोबल बनाए रखने के लिए उन दोनों की सराहना की । उन्होंने श्रमिकों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरंतर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और नियमित रूप से बचाव अभियान की प्रगति की जानकारी ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को बताया कि उनके सकुशल होने की जानकारी उनके परिवारों से संपर्क कर दे दी गयी है ।

सुरंग में फंसे मजदूरों के सकुशल निकलने की कामना; सरकार उचित मुआवजा दे: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली /भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी की निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों के सुकशल बाहर निकलने की कामना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार द्वारा इन मजदूरों को उचित मुआवजा और मदद दी जानी चाहिए।

यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था और तब से 41 श्रमिक उसमें फंसे हुए हैं जिन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है ।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''उत्तरकाशी के सिलक्यारा में 12 दिन से 41 मजदूर भाई सुरंग में फंसे हैं। खबर है कि उन्हें बचाने के लिए चल रहा अभियान सफलता की ओर बढ़ रहा है और जल्द ही सबके सकुशल बाहर आने की उम्मीद जगी है। ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी मजदूर भाई जल्द से जल्द बाहर आकर स्वस्थ-सानंद अपने-अपने घर पहुंचें। पूरा देश उनके लिए प्रार्थनाएं कर रहा है।''

उन्होंने कहा, ''सरकार से आग्रह है कि प्राणों की बाज़ी लगाकर दिन-रात राष्ट्र की सेवा में लगे इन मजदूर भाइयों को उचित मुआवजा और मदद दी जाये। ''

मराठों को आरक्षण देने के प्रयास जारी, सरकार का उनकी मांगों पर सकारात्मक रुख : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार का मराठों की मांगों के समाधान को लेकर सकारात्मक रुख है और समुदाय को आरक्षण देने के प्रयास जारी हैं। मराठा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोलापुर जिले के पंढरपुर शहर में फडणवीस से मुलाकात की। फडणवीस बृहस्पतिवार को यहां अपनी पत्नी के साथ भगवान विट्ठल और देवी रुक्मणी के मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए गये थे। मराठा समुदाय सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग कर रहा है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट कर फडणवीस ने कहा, ''मैंने मराठा समुदाय को आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार उनकी मांगों के प्रति सकारात्मक है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने समुदाय को आरक्षण देने का आश्वासन दिया है। हम उनके साथ खड़े हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुद्दा निश्चित रूप से हल हो जाएगा। मराठा समुदाय को आरक्षण देने के प्रयास जारी हैं।''

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग की कि राज्य सरकार पंढरपुर में मराठा भवन के निर्माण, अन्नासाहेब पाटिल आर्थिक विकास महामंडल बनाने, छत्रपति साहू महाराज संशोधन, प्रशिक्षण व मानव विकास संस्था (सारथी) के उप-केंद्र शुरू करने और शहर में छात्रों के वास्ते एक छात्रावास के निर्माण के लिए जमीन मुहैया कराये।

सारथी महाराष्ट्र सरकार की एक स्वायत्त संस्था है, जो कि मराठा और मराठा-कुनबी वर्गों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक विकास के लिए स्थापित की गई है।

फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार इन सभी मांगों के प्रति सकारात्मक है। उन्होंने कहा, ''सोलापुर जिला अधिकारी मराठा भवन और एक छात्रावास के निर्माण के लिए प्रतिनिधिमंडल को अगले 15 दिनों में उपलब्ध भूमि दिखा सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल जो जगह पसंद करेगा, सरकार उसे आवंटित कर देगी। हम अगले मानसून से पहले निर्माण भी शुरू कर देंगे।''

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेना के शहीद कैप्टन शुभम गुप्ता को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए आगरा जिले के निवासी सेना के कैप्टन शुभम गुप्ता को बृहस्पतिवार को श्रद्धांजलि दी।

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री ने शहीद शुभम गुप्ता के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है। मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। उन्होंने शहीद के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा जनपद की एक सड़क का नामकरण शहीद गुप्ता के नाम पर करने की भी घोषणा की है। जम्मू के राजौरी में बुधवार को आतंकवादियों से मुठभेड़ में चार भारतीय सैनिक शहीद हो गये। इनमें आगरा निवासी कैप्टन शुभम गुप्ता भी शामिल हैं।

महुआ मोइत्रा विवाद

लोकसभा ने प्रश्नों के उत्तर की गोपनीयता बनाए रखने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा सचिवालय ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान सांसदों के प्रश्नों को लेकर सरकार की तरफ से दिए गए उत्तरों की गोपनीयता बनाए रखने पर जोर दिया है और उनसे कहा है कि वे अपने पोर्टल का उपयोग केवल खुद के लिए करें।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'रिश्वत लेकर प्रश्न पूछने' के आरोप को लेकर हुए विवाद के बाद लोकसभा सचिवालय ने सदस्यों से यह कहा है।

लोकसभा सचिवालय ने 10 नवंबर के अपने बुलेटिन में कहा, ''इसका संज्ञान लिया जा सकता है कि उत्तर सदस्यों के पोर्टल पर लॉग-इन और पासवर्ड के जरिये सुरक्षित हैं, इसलिए वे विशेष रूप से केवल सदस्यों के उपयोग के लिए हैं।''

उसने कहा कि सदस्यों से अनुरोध है कि वे उत्तरों की गोपनीयता बनाए रखें और प्रश्नकाल समाप्त होने तक सामग्री को दूसरों के साथ साझा न करें। इससे एक दिन पहले नौ नवंबर को लोकसभा की आचार समिति ने सांसद महुआ मोइत्रा की सदस्यता निरस्त करने की सिफारिश की थी।

लोकसभा सचिवालय ने सांसदों को सूचित किया कि किसी प्रश्न के दिए गए उत्तर की सामग्री तब तक ''पूरी तरह से गोपनीय'' होती है जब तक कि सदन में मौखिक उत्तर के लिए प्रश्न पूछा और उत्तर नहीं दिया जाता है।

उसका कहना है कि यदि कोई प्रश्न मौखिक उत्तर के लिए नहीं आ सकता है, तो प्रश्नकाल के समापन तक प्रश्न का उत्तर जारी नहीं किया जाना चाहिए।

इसमें कहा गया है, ''लिखित उत्तरों की सूची में शामिल प्रश्नों को भी तब तक गोपनीय माना जाएगा जब तक कि उन्हें प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद सदन के पटल पर रख नहीं दिया जाता है।'' सूत्रों ने कहा कि लोकसभा ने मोइत्रा से जुड़े प्रकरण के मद्देनजर गोपनीयता के बारे में मौजूदा नियमों को दोहराया है।

कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता पर अमल करती है, भाजपा ध्रुवीकरण करती है: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर ध्रुवीकरण एवं तुष्टीकरण की राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाया और दावा किया कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ही धर्मनिरपेक्षता पर अमल करती है। वह यहां कांग्रेस नेता अविनाश पांडे द्वारा आयोजित एक निजी समारोह में भाग लेने के बाद नागपुर हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

खरगे ने कहा, ''हालांकि वे (भाजपा) तुष्टिकरण की राजनीति और ध्रुवीकरण में लगे हुए हैं, हम धर्मनिरपेक्षता को कायम रखते हैं। भारत जोड़ो यात्रा (राहुल गांधी के नेतृत्व में) इस प्रतिबद्धता का एक प्रमाण थी।'' भाजपा द्वारा राहुल गांधी और उनके खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत करने के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि वह इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया सीधे चुनाव आयोग को देंगे। निर्वाचन आयोग ने प्रधानमंत्री नेरन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए की गईं 'पनौती', 'जेबकतरे' और कर्ज माफी संबंधी टिप्पणियों के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बृहस्पतिवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने चुनाव में धनबल के इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रेमा खांडू ने कहा कि उनकी सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ा रुख इख्तियार किया है, साथ ही उन्होंने चुनावों में धनबल के इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठाई।

बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने यहां बुधवार को 'डी के कन्वेंशन हॉल' में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार निरोधक संस्कृति की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने चुनावों के दौरान धनबल के इस्तेमाल के चलन को समाप्त करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

खांडू ने व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष बियुराम वाहगे, महासचिव (संगठन) अनंत नारायण मिश्रा और उनकी टीम की सराहना की। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह पहल राज्य में पार्टी को मजबूत करेगी और जमीनी स्तर पर लोगों को सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा राज्य में विकास लाने में सक्षम है,साथ ही उन्होंने समग्र विकास के लिए लोगों से सरकार को सशक्त करने की अपील की।

बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं को युवाओं को पार्टी में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने को भी कहा।

ओडिशा सरकार ने गंजम जिले में मंदिरों के पुनर्विकास के लिए 42.51 करोड़ रुपये की मंजूरी दी

बेहरामपुर/भाषा। ओडिशा सरकार ने गंजम जिले में 26 प्राचीन मंदिरों के पुनर्विकास के लिए 42.51 करोड़ रुपये की मंजूरी दी। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के गृह क्षेत्र गंजम में बेरहामपुर को छोड़कर 13 विधानसभा क्षेत्रों में से 12 में स्थित प्राचीन मंदिरों का नवीनीकरण, जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण इसी राशि से किया जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि निर्माण विभाग इस परियोजना को क्रियान्वित करेगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने जनता की मांग के मद्देनजर पुराने और ऐतिहासिक मंदिरों के नवीनीकरण और बुनियादे ढांचे के विकास के लिए सरकार से सिफारिश की थी। इससे पहले सरकार ने जिले के 997 गांवों के मंदिरों को नया रूप देने के लिए 48.97 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। सहायक मुख्य अभियंता (कार्य) दुर्गा चरण बेहरा ने कहा, परियोजनाओं के निष्पादन के लिए निविदाएं प्रक्रिया में हैं। इन 26 मंदिरों में से पोलासरा ब्लॉक में 300 साल पुराना मर्दा मंदिर भी है, जिसे शरण शीक्षेत्र के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में 1733 से 1735 तक पुरी जगन्नाथ मंदिर के देवताओं को रखा गया था।

एबीवीपी ने राजशरण शाही, याज्ञवल्क्य शुक्लु को दोबारा अध्यक्ष, महासचिव चुना

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबंधित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने वर्ष 2023-24 के लिए दोबारा से राजशरण शाही को अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष और याज्ञवल्क्य शुक्ल को राष्ट्रीय महासचिव चुना है। मुंबई में छात्र संगठन के केंद्रीय कार्यालय से चुनाव अधिकारी सी.एन. पटेल द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि शाही और शुक्ल सात से 10 दिसंबर तक दिल्ली में होने वाले एबीवीपी के 69वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। बयान के अनुसार, शाही उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने शिक्षा में पीएचडी पूरी की है और लखनऊ में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

झारखंड में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ कांस्टेबल घायल

चाईबासा (झारखंड)/भाषा। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के वन में माओवादियों के खिलाफ अभियान के दौरान एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) में विस्फोट होने के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में बताया कि प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने मुफस्सिल में हेसाबंध गांव के निकट जंगल में ये आईईडी लगाया था और सीआरपीएफ, कोबरा, झारखंड जुगआर तथा जिला सशस्त्र पुलिस से सुरक्षा बलों की टीम जब माओवादियों के खिलाफ अभियान चला रही थी तभी इस आईईडी में विस्फोट हो गया।

अधिकारियों, जवानों को ड्यूटी के दौरान जान गंवाते देखना हृदयविदारक : महबूबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्रियों उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी इलाके में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में चार जवानों के शहीद होने पर दुख व्यक्त किया।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत सरकार के झूठे दावों के बावजूद कि जम्मू-कश्मीर में सब कुछ ठीक है, अधिकारियों और जवानों को ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाते देखना दिल दहला देने वाला है। इस दिखावे की कीमत उन्हें और निर्दोष नागरिकों को चुकानी पड़ रही है। उनके परिवारों और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।''

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष अब्दुल्ला ने बुधवार देर रात 'एक्स' पर कहा, ''राजौरी से भयानक खबर जहां दो अधिकारियों सहित चार जवानों ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवा दी है। पीर पंजाल क्षेत्र के अब तक शांतिपूर्ण रहे इलाकों में आतंकवाद फैलाने के निरंतर प्रयासों की निंदा करते हुए, मैं उन जवानों के परिवारों के प्रति अपनी गंभीर संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने आज सर्वोच्च बलिदान दिया।''

बुधवार को शुरू हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी भी मारा गया है।

जम्मू में नियंत्रण रेखा के पास बक्से से हथियार एवं विस्फोटक बरामद

जम्मू/भाषा। जम्मू के अखनूर सेक्टर में बृहस्पतिवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक ड्रोन द्वारा गिराए गए नौ ग्रेनेड और एक आईईडी समेत हथियार एवं विस्फोटक बरामद किए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि ये हथियार एवं विस्फोटक एक बक्से में बंद थे, जिन्हें एलओसी के निकट पालनवाला में सेना और पुलिस के संयुक्त तलाश अभियान के दौरान बरामद किया गया। बक्से देख कर संदेह हुआ और बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। बक्से में से एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), एक पिस्तौल, दो मैगजीन, 38 कारतूस और नौ ग्रेनेड बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि माना जाता है कि एक ड्रोन के जरिए आतंकवादियों के इस्तेमाल के लिए हथियारों की यह खेप गिराई गई थी।

रोहित को शतक बनाना सिखाने की जरूरत नहीं, कप्तान का समर्थन करते हुए अश्विन ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने गुरूवार को अपने कप्तान रोहित शर्मा का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें शतक बनाना सिखाने की जरूरत नहीं है । आस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में आक्रामक शुरूआत को बड़े स्कोर में नहीं बदलने के लिए रोहित की आलोचना की जा रही है।

रोहित पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार लय में थे और भारत ने शीर्ष क्रम में उनके प्रदर्शन की बदौलत ही धमाकेदार शुरूआत की। उन्होंने 125 के शानदार स्ट्राइक रेट से 11 मैच में 597 रन बनाये।

रोहित फाइनल में ग्लेन मैक्सवेल को बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में जिस तरह आउट हुए, उसकी कुछ तबकों में आलोचना की जा रही है। उन्होंने 31 गेंद में 47 रन की पारी खेली जिससे मजबूत नींव बनी लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी।

अश्विन ने कहा, ''हर कोई पीछे से कह रहा है कि अगर वह खेलता रहता तो 100 रन बना

सकता था लेकिन यह उनकी इच्छाशक्ति थी कि टीम इस तरह का खेल दिखा सकी। रोहित शर्मा को शतक बनाना सिखाने की जरूरत नहीं है , वह काफी शतक बना चुके हैं लेकिन यह जज्बा है जो मायने रखता है।''

इस अनुभवी ऑफ स्पिनर ने यह भी खुलासा किया कि पिछले रविवार को फाइनल में आस्ट्रेलिया के पहले गेंदबाजी करने के फैसले से भी वह हैरान थे लेकिन साथ ही पैट कमिंस और चयनकर्ता जॉर्ज बेली की अहमदाबाद की पिच बखूबी पढ़ने के लिए प्रशंसा की।

आस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को कई मोर्चों पर पछाड़कर छठी बार विश्व कप जीता ।

अश्विन ने गुरूवार को अपने यूट्यूब वीडियो में कहा, ''आस्ट्रेलिया ने फाइनल में शानदार खेल दिखाया। मैं उनकी रणनीति देखकर हैरान रह गया। आस्ट्रेलिया के फैसले से मैं व्यक्तिगत रूप से हैरान हो गया क्योंकि जैसा उनका इतिहास है, वे फाइनल में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हैं। '' उन्होंने कहा, ''मैं भगवान से प्रार्थना कर रहा था कि आस्ट्रेलिया को ऐसा ही करना चाहिए क्योंकि कई लोग यह नहीं समझते कि अहमदाबाद की मिट्टी ओडिशा की तरह थी। यह ऐसी ही थी जैसी देश के पूर्वोत्तर हिस्से से ली गयी कोई भी मिट्टी होती क्योंकि अगर कोई और पिच घुटने तक उछाल लेगी तो इस तरह की पिच पिंडली तक लेगी।''

कोयला, पशु तस्करी रोकने की जिम्मेदारी केंद्र की : बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को संकेत दिया कि कोयला और मवेशियों की तस्करी रोकने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है क्योंकि उसकी एजेंसियां कोयला के उत्पादन और सुरक्षित रखने तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा के लिए जिम्मेदार हैं।

बनर्जी ने कहा, ''कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का संचालन केंद्र द्वारा किया जाता है। कोयला खदानों की सुरक्षा सीआईएसएफ द्वारा की जाती है, जो एक केंद्रीय बल है। सीमा की सुरक्षा भी बीएसएफ द्वारा की जाती है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन और तस्करी रोकने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार पर है। कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में तृणमूल कांग्रेस के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि जो ''बड़े नेता मवेशी और कोयला तस्करी में शामिल हैं, वे ''कहीं और बैठे हैं।'' हालांकि, टीएमसी प्रमुख ने किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल का नाम नहीं लिया। टीएमसी सुप्रीमो का बयान ऐसे समय आया है जब पार्टी के कई नेताओं पर कोयला और मवेशियों की तस्करी में शामिल होने का आरोप लग रहा है। कथित कोयला घोटाले के सिलसिले में बनर्जी के भतीजे और टीएमसी में नंबर दो माने जाने वाले अभिषेक बनर्जी और उनके परिवार के सदस्यों से भी ईडी ने पूछताछ की थी। बनर्जी ने कहा, ''सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों की बंद खदानों से अक्सर अवैध रूप से कोयला निकाला जाता है, जबकि ईडी ने दावा किया है कि टीएमसी का स्थानीय नेतृत्व इस व्यापार में धन के लेन-देन में शामिल था।'' उन्होंने दावा किया कि ''कपटी'' टीवी चैनलों के अलावा प्रवर्तन निदेशालय जैसी केंद्रीय एजेंसियों की मदद से ऐसा माहौल बनाया जा रहा है जैसे कि टीएमसी नेता तस्करी में सरगना थे।

सुविचार

वृक्ष कभी इस बात पर व्यथित नहीं होता, कि उसने कितने पुष्प खो दिए, वह सदैव नए फूलों के सृजन में व्यस्त रहता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

निर्णायक विजय बाकी

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में सेना के कैप्टन स्तर के दो अधिकारियों समेत चार जवानों का शहीद होना अत्यंत दुःखद है। भारत माता ने अपने चार बहादुर बेटे खो दिए। यह देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। इस घटना के पीछे जो भी गुनहगार हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा न जाए। उन्हें कठोर दंड दिया जाए। हाल के वर्षों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) और जम्मू-कश्मीर में भारतीय सुरक्षा बलों ने जिस तरह आतंकवादियों का धड़ाधड़ खात्मा किया है, उससे शांति के दुश्मन बौखला गए हैं। घाटी में आतंकवादियों का नेटवर्क दम तोड़ रहा है। कल तक जो लोग इनके बुलावे पर पत्थरबाजी करने के लिए तैयार रहते थे, वे अब गायब हो गए हैं। जंगल, पहाड़, गांव, शहर ... आतंकवादी जहां भी पनाह ले रहे हैं, उनकी सूचना सुरक्षा बलों को मिल जाती है। यह कौन पहुंचाता है? निश्चित रूप से स्थानीय कश्मीरी ही सुरक्षा बलों को सूचित करते हैं, क्योंकि वे भलीभांति समझ चुके हैं कि पाक प्रायोजित आतंकवाद से सबसे ज्यादा नुकसान उन्हें ही हुआ है ... अलगाववादी और पत्थरबाज जिस 'आज़ादी' का नारा लगाते थे, वह असल में बर्बादी है। असल आज़ादी तो वह है, जो भारत का संविधान हर नागरिक को देता है। भारतीय सेना की 'व्हाइट नाइट कोर' ने विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर राजौरी के गुलाबगढ़ जंगल के कालाकोट इलाके में जो संयुक्त अभियान शुरू किया था, उसे स्थानीय लोगों की ओर से भी समर्थन मिला। लोगों ने स्वीकारा कि अभियान के कारण उनसे घर पर ही रहने और बाहर न निकलने का आग्रह किया गया था ... इसके मद्देनजर बच्चे भी घर पर रहे। पहले, जब भी गोलीबारी होती तो आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों का अपनी ढाल की तरह इस्तेमाल किया जाता। जज्बात से भरे उस माहौल में ख़ासकर बच्चे और नौजवान मुठभेड़ स्थल पर जाकर कार्रवाई को बाधित करने की कोशिश करते थे। उस दौरान उनमें से कोई घायल होता या उसकी जान चली जाती तो कई-कई दिनों तक अशांति का माहौल रहता। अब आतंकवादी अकेले ही अपने अंजाम को पहुंच रहे हैं। निश्चित रूप से यह भारतीय सुरक्षा बलों के अलावा स्थानीय लोगों की भी बड़ी जीत है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर प्रबल प्रहार से आतंकवादियों के हौसले पस्त तो हुए हैं, लेकिन इन पर निर्णायक विजय मिलनी बाकी है। अभी हर महीने ऐसी ख़बरें पढ़ने को मिलती हैं, जिनसे पता चलता है कि सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दो या इससे ज्यादा आतंकवादियों को ढेर कर दिया, लेकिन इस बीच हमारे जवानों पर भी घातक हमले हो रहे हैं। इस साल जम्मू के तीन जिलों में हुई हिंसक घटनाओं में 15 जवान शहीद हुए। हालांकि 25 आतंकवादी मारे गए। देश के एक जवान का भी लहू बहता है तो यह चिंता की बात है। हमारे वैज्ञानिकों को चाहिए कि वे जवानों के लिए ऐसा कवच और सैन्य पहनावा ईजाद करें, जो अधिक मजबूत हो, जिससे उनके जीवन को और सुरक्षित बनाया जा सके। जम्मू-कश्मीर में पिछले एक दशक में आतंकवादियों पर जो 'वज्र प्रहार' किया गया है, उससे पाकिस्तान की साजिशें नाकाम हुई हैं। आज देशवासियों में इस बात को लेकर आम सहमति है कि भारतीय खुफिया एजेंसियां और सुरक्षा बल जिस तरह बेहतर समन्वय से काम कर रहे हैं, उससे आतंकवाद पर नकेल कसने में बहुत मदद मिली है। पहले देश में कहीं-न-कहीं बम धमाकों की खबरें पढ़ने-सुनने को मिलती थीं, आज आतंकवाद की कमर टूटती नजर आ रही है। इन सबसे बौखलाया पाकिस्तान मौके की ताक में रहता है। वह आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर घुसपैठ करवाकर भारतीय सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की पुरजोर नापाक कोशिशें कर रहा है। हालांकि ऐसे आतंकवादियों में से ज़्यादातर एलओसी पर मार गिराए जाते हैं, लेकिन बीच-बीच में ऐसी घटनाएं हो जाती हैं, जो देश को झकझोर देती हैं। इस साल अप्रैल और मई में पुंछ के मेंढर क्षेत्र और राजौरी के कंडी जंगल में आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया था, जिसमें भारत के पांच कमांडो समेत 10 सैनिक शहीद हो गए थे। वहीं, इस साल जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद संबंधी घटनाओं में 81 आतंकवादी ढेर किए जा चुके हैं। यह काफी बड़ा आंकड़ा है। पाक प्रायोजित 'दहशत की दुकानें' जब तक पूरी तरह ध्वस्त नहीं हो जातीं, भारत की ओर से प्रहार में कोई नरमी नहीं आनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

संत मीराबाई का जीवन निश्छल भक्ति और आस्था का अनुपम उदाहरण है। भगवान श्री कृष्ण को समर्पित उनके भजन और दोहे आज भी हम सभी के अंतर्मन को श्रद्धा-भाव से भर देते हैं। उनकी 525वीं जयंती पर मथुरा में 'संत मीराबाई जन्मोत्सव' का आयोजन हो रहा है।

-नरेन्द्र मोदी

वीरभूमि राजस्थान के दौसा में जनता-जनार्दन का भाजपा के लिए अपार स्नेह और अटूट विश्वास यह प्रदर्शित कर रहा है कि प्रदेश से गहलोत सरकार की विदाई तय है। कांग्रेस सरकार के आकंठ भ्रष्टाचार, महिलाओं पर अत्याचार से त्रस्त जनता भाजपा की डबल इंजन सरकार लाने का संकल्प ले चुकी है।

-जेपी नड्डा

कांग्रेस के अत्याचार, आतंक और अन्याय की लंका को जनता जलाकर राख करने के लिए तैयार है। 3 दिसंबर को राजस्थान में 'कमल' खिलेगा और डबल इंजन की सरकार में डबल रफ्तार से विकास होगा। आज राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया।

-शिवराजसिंह चौहान

प्रेरक प्रसंग

विश्वास से सफलता

स्टीफन जे. कनेल पहली और चौथी कक्षा में फेल हो गए। मां स्टीफन को घंटों पढ़ाती लेकिन वह तब भी परीक्षा में फेल हो जाते। स्टीफन को लगता कि वह मूर्ख है। एक दिन मां ने पाया कि उन्हें डिस्लेक्सिया की समस्या थी। मां स्टीफन से बोली, 'बेटा, एक बात हमेशा याद रखना कि लगातार मेहनत से हर समस्या दूर हो जाती है। मां की बात सुनकर स्टीफन ने फुटबॉल खेलना आरंभ किया। वह जब भी फुटबॉल पर किक मारते तो स्वयं से कहते, 'हर समस्या मेरी किक से डर कर भाग रही है।' अंतर महाविद्यालयी प्रतियोगिता में फुटबॉल के कारण स्टीफन की बहुत प्रशंसा हुई। इसने स्टीफन के आत्मविश्वास को बहुत बढ़ाया। इसके बाद उन्होंने पटकथाएं लिखनी आरंभ कर दीं। उन्हें इस कार्य में सफलताएं मिलती रहीं और एक दिन उन्होंने अपना प्रोडक्शन स्टूडियो स्थापित कर लिया। स्टीफन अपने व्यवसाय के शिखर पर पहुंच गए। एक दिन ऐसा भी आया जब 2000 लोग उनके नीचे काम कर रहे थे। इतना ही नहीं पटकथा लेखन, निर्माता और निर्देशक के बाद उन्होंने 11 उपन्यास भी लिखे। ये उपन्यास बेस्टसेलर रहे।

सामयिक

हिंसामुक्त नारी समाज का सपना अधूरा क्यों?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

पूरे विश्व में महिलाओं के प्रति हिंसा, शोषण एवं उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं के उन्मूलन हेतु संयुक्त राष्ट्र के द्वारा प्रतिवर्ष 25 नवंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस' मनाया जाता है। भारत ही नहीं, दुनियाभर की महिलाओं पर बढ़ती हिंसा, शोषण, असुरक्षा एवं उत्पीड़न की घटनाएं एक गंभीर समस्या है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा महिलाओं पर की जा रही इस तरह हिंसा के उन्मूलन के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता को रेखांकित करने वाले अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। महिलाओं के समूह व संगठन महिलाओं की समाज में चिंताजनक स्थिति और इसके परिणामस्वरूप, महिलाओं के शारीरिक, मानसिक तथा मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को सामने लाने के लिए विविध उपक्रम किये जाते हैं। कई महिला अधिकार कार्यकर्ता एवं संगठन इस दिन दुनिया को महिलाओं के खिलाफ हिंसा से मुक्त कराने के लिए नारीवादी आंदोलनों का समर्थन करते हैं।

यह दिवस उन मिराबल बहनों का भी सम्मान करता है जिनकी वर्ष 1960 में इसी दिन राजनैतिक कार्यकर्ता डोमिनिकन शासक राफेल ट्रुजिलो (1930-1961) के आदेश पर तीन बहनों, पैट्रिया मर्सिडीज मिराबैल, मारिया अर्जेंटीना मिनेर्वा मिराबैल तथा एंटोनिया मारिया टेरेसा मिराबैल की क्रूरता से हत्या कर दी थी। इन तीनों बहनों ने ट्रुजिलो की तानाशाही का कड़ा विरोध किया था। महिला अधिकारों के समर्थक व कार्यकर्ता वर्ष 1981 से इस दिन को इन तीनों बहनों की मृत्यु की स्मृति के रूप में मनाते हैं। देश एवं दुनिया में विकास के साथ-साथ महिलाओं के प्रति हिंसक सोच थमने की बजाय नये-नये रूपों में सामने आती रही है। इसी हिंसक सामाजिक सोच एवं विचारधारा पर काबू पाने के लिये अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा-उन्मूलन दिवस महिलाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़ा एक ऐसा दिवस है जो दायित्वबोध की चेतना का संदेश देता है, महिलाओं के प्रति एक नयी सभ्य एवं शालीन सोच विकसित करने का आह्वान करता है। यह दिवस उन चौराहों पर पहरा देता है जहां से जीवन आदर्शों के भटकाव एवं नारी-हिंसा की संभावनाएं हैं, यह उन आकांक्षाओं को थामता है जिनकी हिंसक गति तो बहुत तेज होती है पर जो बिना उद्देश्य समाज की बेतहाशा दौड़ को दर्शाती है। इस दिवस को मनाने के उद्देश्यों में महिलाओं के प्रति बढ़ रही हिंसा को नियंत्रित करने का संकल्प भी है। यह दिवस नारी को शक्तिशाली, प्रगतिशील और संस्कारी बनाने का अनूठा माध्यम है।

हर घंटे में पांच से अधिक महिलाओं या लड़कियों की उनके ही परिवार में किसी न किसी द्वारा हत्या कर दी जाती है। लगभग तीन में से एक महिला को अपने जीवन में कम से कम एक बार शारीरिक और यौन हिंसा का शिकार होना पड़ा है। 86 प्रतिशत महिलाएँ और लड़कियाँ लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ कानूनी सुरक्षा के बिना देशों में रहती हैं। महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा दुनिया में सबसे प्रचलित और व्यापक मानवाधिकार उल्लंघनों में से एक है। यह संकट कार्यस्थल और ऑनलाइन स्थानों सहित विभिन्न सेटिंग्स में तीव्र हो गया है, और महामारी के बाद के प्रभावों, संघर्षों और जलवायु परिवर्तन के कारण और भी गंभीर हो गया है। अनुमान है कि दुनिया भर में 35 प्रतिशत महिलाओं ने शारीरिक और यौन हिंसा का अनुभव किसी नॉन-पार्टनर द्वारा अपने जीवन में किसी बिंदु पर किया है। हालांकि, कुछ राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि 70 प्रतिशत महिलाओं ने अपने जीवनकाल में एक अंतरंग साथी से शारीरिक और यौन हिंसा का अनुभव किया है। दुनियाभर में पाए गए सभी मानव तस्करी के पीड़ितों में से 51 प्रतिशत वयस्क महिलाओं का खाता है। यूरोपीय संघ की रिपोर्ट में 10 महिलाओं में से एक ने 15 साल की उम्र से साइबर-उत्पीड़न का अनुभव किया है। 18 से 29 वर्ष की आयु के बीच युवा महिलाओं में जोखिम सबसे अधिक है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा एक वैश्विक महामारी है। 70 प्रतिशत महिलाओं की संख्या अपने जीवनकाल में हिंसा का अनुभव करती है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े भी महिलाओं के खिलाफ आपराधिक घटनाओं में वृद्धि को स्पष्ट करते हैं। इन अपराधों में बलात्कार, घरेलू हिंसा, मारपीट, दहेज प्रताड़ना, एसिड हमला, अपहरण, मानव तस्करी, साइबर अपराध और कार्यस्थल पर उत्पीड़न आदि शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार 2017 में भारत में कुल 32,559 बलात्कार हुए, जिसमें 93.1 प्रतिशत आरोपी करीबी ही थे। राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो-2017 की रिपोर्ट के हिसाब से देश में सबसे ज्यादा 5562 मामले मध्यप्रदेश में दर्ज हुए। इस सूची में 3305 रेप मामलों के साथ राजस्थान दूसरे नंबर पर रहा। राजस्थान में तो कन्या-शिशुओं को जन्म लेते ही मार देने की भयावह मानसिकता रही है। कुछ चिंतन और मनन करने से हमें पता चलता है कि महिलाओं के विरुद्ध यौन उत्पीड़न, फब्तियां कसने, छेड़खानी, वैश्यावृत्ति, गर्भाधारण के लिए विवश करना, महिलाओं और लड़कियों को खरीदना और बेचना, युद्ध से उत्पन्न हिंसक व्यवहार और जेलों में भीषण यातनाओं का क्रम अभी भी महिलाओं के विरुद्ध जारी है और इसमें कमी होने के बजाए वृद्धि हो रही है।

आज हिंसा एवं उत्पीड़न से ग्रस्त समाज की महिलाओं पर विमर्श जरूरी है। विकसित एवं विकासशील देशों में महिलाओं पर अत्याचार, शोषण, भेदभाव एवं उत्पीड़न का साया छाया रहता है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। माइनॉरिटी राइट्स ग्रुप इंटरनेशनल ने दुनिया के अल्पसंख्यकों और मूल लोगों की दशा' नामक अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे दुनियाभर में अल्पसंख्यक और मूल समुदाय की महिलाएं हिंसा का शिकार ज्यादा होती हैं, चाहे वह संघर्ष का दौर हो या शांति का दौ। इस संगठन के कार्यकारी निदेशक मार्क लैटिमर ने कहा कि दुनियाभर में अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव के तहत महिलाओं को शारीरिक हिंसा का दंश झेलना पड़ता है। यह स्थिति भारत के सन्दर्भ में भी भयावह है। भले ही भारत सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्तमान में महिला सशक्तिकरण के लिए सराहनीय कार्य कर रही है बावजूद इसके आधुनिक युग में हजारों अल्पसंख्यक ही नहीं आम महिलाएं अपने अधिकारों से कोसों दूर हैं। सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए भले ही सैकड़ों योजनाएं तैयार की हों, परंतु महिला वर्ग में शिक्षा व जागरूकता की कमी आज भी खल रही है। अपने कर्त्तव्यों तथा अधिकारों से बेखबर महिलाओं की दुनिया को चूल्हे चौके तक ही सीमित रखा है। भारत में आदिवासी समुदाय की महिलाएं अपने अधिकारों से बेखबर हैं और उनका जीवन आज भी एक त्रासदी की तरह है।

नारी को छोटा व दोयम दर्जा का समझने की मानसिकता भारतीय समाज की रग-रग में समा चुकी है। असल प्रश्न इसी मानसिकता को बदलने का है। इन वर्षों में अपराध को छुपाने और अपराधी से डरने की प्रवृत्ति खत्म होने लगी है। वे चाहे मीटू जैसे आन्दोलनों से हो या निर्भया कांड के बाद बने कानूनों से। इसलिए ऐसे अपराध पूरे न सही लेकिन फिर भी काफी सामने आने लगे हैं। अन्यायी तब तक अन्याय करता है, जब तक कि उसे सहा जाये। महिलाओं में इस धारणा को पैदा करने के लिये न्याय प्रणाली और मानसिकता में मौलिक बदलाव की भी जरूरत है। देश में लोगों को महिलाओं के अधिकारों के बारे में पूरी जानकारी नहीं है और इसका पालन पूरी गंभीरता और इच्छाशक्ति से नहीं होता है। महिला सशक्तीकरण के तमाम दावों के बाद भी महिलाएँ अपने असल अधिकार से कोसों दूर हैं। उन्हें इस बात को समझना होगा कि दुर्घटना व्यक्ति और वक्त का चुनाव नहीं करती है और यह सब कुछ होने में उनका कोई दोष नहीं है।

पुरुष-समाज के प्रदूषित एवं विकृत हो चुके तौर-तरीके ही नहीं बदलने हैं बल्कि उन कारणों की जड़ों को भी उखाड़ फेंकना है जिनके कारण से बार-बार नारी को जहर के घूंट पीने को विवश होना पड़ता है। विश्व महिला हिंसा-उन्मूलन दिवस गैर-सरकारी संगठनों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और सरकारों के लिए महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का अवसर होता है। दुनिया को महिलाओं की मानवीय प्रतिष्ठा के वास्तविक सम्मान के लिए भूमिका प्रशस्त करना चाहिए ताकि उनके वास्तविक अधिकारों को दिलाने का काम व्यावहारिक हो सके। ताकि इस सृष्टि में बलात्कार, गैंगरेप, नारी उत्पीड़न, नारी-हिंसा जैसे शब्दों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाए।

चिंतन

कांग्रेस के नेताओं के अपशब्द ही बिगाड़ेंगे खेल?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

राहुल गांधी ने मंगलवार को राजस्थान के एक चुनावी रैली में कहा, ''पनौती पनौती पनौती हमारे लड़के विश्व कप जीतने की राह पर थे लेकिन पनौती ने उन्हें हरा दिया इस देश के लोग जानते हैं।'' राजस्थान के भरतपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा था कि जेब कतरा कभी अकेला नहीं आता, तीन लोग होते हैं। एक सामने से आता है, एक पीछे से आता है और एक दूर से देखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काम आपके ध्यान को इधर-उधर करने का है। वे सामने से टी।वी। में आते हैं और हिंदू-मुस्लिम, नोटबंदी, जी एस टी कहते हैं। पीछे से अडानी आता है और आपका पैसा उठाकर ले जाता है। दूसरी तरफ से अमित शाह देखते हैं कि किसी को पता न लग जाए, दबाकर लाठी मारूंगा।

मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी को झूठों का सरदार कह दिया। जयराम रमेश ने मोदी का मतलब मास्टर ऑफ ड्रामा इन इंडिया' बता दिया। अब तक कांग्रेस और भाजपा के नेता राजस्थान में एक दूसरे पर तीखे हमले कर रहे थे, एक दूसरे की नीतियों की आलोचना कर रहे थे, अपनी अपनी गारंटी और वादे जनता के सामने रख रहे थे, मुद्दों पर आलोचना हो रही थी। किसी ने एक दूसरे पर पर्सनल अटैक नहीं किए थे लेकिन मंगलवार को राहुल गांधी ने इसकी भी शुरुआत कर दी। राहुल के देखा देखी मंगलवार को मल्लिकार्जुन खरगे और जयराम रमेश ने भी मोदी पर इसी तरह के सेल्फ गोल किये। खरगे ने मोदी को झूठों का सरदार कहा। मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस का मेनिफेस्टो जारी करने के लिए आए थे। मोदी अपनी रैलियों में खरगे के बयान का हवाला देकर कहते हैं कि कांग्रेस के बड़े बड़े नेता उनके स्वर्गीय पिता को भी गालियां दे रहे हैं। खरगे ने इस पर सफाई देते हुए कहा उन्होंने अपनी मां और सभी भाई बहनों को सात साल की उम्र में खो दिया था, वह परिवारजनों को खोने का दुख समझते हैं। उन्होंने मोदी तो छोड़िए किसी के परिवार वालों के खिलाफ कभी कुछ नहीं कहा, लेकिन मोदी बार बार झूठ बोलते हैं, क्योंकि वो झूठों के सरदार हैं।

अभी तक कांग्रेस के नेताओं ने पुराने अनुभवों से कुछ नहीं सीखा है। कांग्रेस को पुराना इतिहास याद रखना चाहिए। वर्ष 2007 में गुजरात विधानसभा चुनावों के दौरान सोनिया गांधी ने मोदी को मौत का सौदागर कहा। कांग्रेस बुरी तरह हारी। 2014 में लोकसभा चुनावों के दौरान राहुल गांधी ने मोदी को खून का दलाल बताया। मणिशंकर अय्यर ने चाय बेचने वाला घटिया इंसान कहा। कांग्रेस बुरी तरह हारी।

मोदी प्रधानमंत्री बन गए, पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। 2017 में कर्नाटक चुनाव के दौरान मणिशंकर ने मोदी को नीच कहा। फिर कांग्रेस हारी, भाजपा की सरकार बनी। 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक की रैली में राहुल ने चौकीदार चोर है' का नारा दिया, फिर ये कहा कि सारे चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है'।

मुद्दा

गहलोत के वादों पर लोगों को नहीं है एतबार

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

राजस्थान विधानसभा का चुनावी संग्राम अंतिम दौर में पहुंच चुका है। सभी राजनीतिक दलों के नेता अपनी-अपनी पार्टी के पक्ष में धुआंधार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले दो वर्षों से कह रहे हैं कि हम राजस्थान में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज तोडेंगे और लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित करेंगे। इसके लिए अशोक गहलोत साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपना रहे हैं। यहां तक की उन्होंने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट की तारीफ करने में भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। सरकार की वापसी के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मतदाताओं को लुभाने के लिए पिछले काफी समय से तरह-तरह की योजनाएं चला रहे थे। अब उन्होंने चुनावी ब्रह्मास्त्र के रूप में अपनी सरकार की तरफ से लोगों को सात गारंटी देने की घोषणा की है। साथ ही यह भी कहा है की सरकार रिपीट होने पर इन सातों गारंटी को लागू कर आम जनता को इनका फायदा पहुंचाया जाएगा।

मगर गहलोत के साथ वही बात हो रही है कि बहुत देर कर दी हुजूर आते-आते। राजस्थान के मतदाताओं को गहलोत की गारंटी के ऊपर एतबार नहीं हो रहा है। लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जब पूरे पांच साल लगातार सरकार चलाई तब इन सब बातों पर अमल क्यों नहीं किया। अब गारंटी देकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। गहलोत सरकार ने प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को घरेलू कनेक्शन पर 100 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त उपलब्ध करवा रही है। मगर दूसरी तरफ विद्युत कंपनियां पिछले 3 साल की ऑडिट के नाम पर बहुत से घरेलू उपभोक्ताओं से बकाया वसूली के रूप में पांच हजार से बीस हजार रूपये तक का बकाया निकाल कर वसूल रही है। इससे लोगों का गहलोत सरकार के प्रति विश्वास डगमगा गया है। लोगों का कहना है कि जहां हरियाणा में वृद्धावस्था पेंशन 2500 प्रतिमाह है। वही राजस्थान में चुनाव के नजदीक आने पर सरकार ने उसे बढ़ाकर 1000 किया है। प्रदेश में आज ऐसे बहुत से वरिष्ठ नागरिक है जिनके जीवन बसर का कोई साधन नहीं हैं। ऐसे में यदि वरिष्ठ जनों की पेंशन में बढ़ोतरी होती तो उनको जीवन बसर करने में बहुत सुविधा होती। मगर सरकार ऐसा करने में फेल रही है।

गहलोत मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना की बहुत तारीफ करते घूमते हैं तथा चुनावी घोषणा पत्र में भी उसे बढ़ाकर 50 लख रुपए प्रति परिवार तक करने का वादा किया है। मगर प्रदेश के 95 फीसदी निजी अस्पतालों में यह योजना चल ही नहीं रही है। चुनाव की घोषणा के कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री ने उज्ज्वला योजना में महिलाओं को 500 रूपये में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की और जब भाजपा ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में सरकार बनने पर साढ़े चार सो रुपए में सभी महिलाओं को हर माह एक गैस सिलेंडर देने की बात कही तो मुख्यमंत्री भी अब 400 में सिलेंडर देने की बात कहते घूम रहे हैं। मगर कांग्रेस सरकार ने उक्त योजना को सिर्फ उज्वला के लाभार्थियों तक ही सीमित रखा। पिछले 5 साल में जन विरोधी कार्यो के लिए जितनी गहलोत सरकार बदनाम हुई है। उतनी आज तक कोई भी सरकार नहीं हुई। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होना तो जैसे सरकार का मुख्य काम ही हो गया है। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होकर बाजार में बिकने के कारण राजस्थान के हजारों नौजवानों के नौकरी लगने से वंचित रह जाने के कारण उनका भविष्य खराब हो गया। प्रदेश में जिस तरह से खनन माफिया हावी है और खान मंत्री प्रमोद जैन भाया पर कांग्रेस के ही वरिष्ठ विधायक भारत सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं उसके बावजूद भाया का मंत्री पद पर बना रहना गहलोत सरकार के प्रति लोगों के मन में शक पैदा करता है। महिलाओं के प्रति विधानसभा में गलत बयान करने वाले शांति धारीवाल आज भी सरकार में मंत्री हैं तथा फिर से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा शिक्षा राज्य मंत्री रहते जिस तरह से अपने रिश्तेदारों को सरकारी सेवा में अनधिकृत तरीके से भर्ती करवाने को लेकर बदनाम हुए हैं। उनकी बदनामी के दाग शायद ही कभी धूल पाए।

राजस्थान में हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात की तुलना में 12 रूपये प्रति लीटर डीजल, पेट्रोल के महंगा बिकने के मुद्दे को जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी चुनावी सभा में उठाया है और वायदा किया है कि भाजपा की सरकार बनने पर तुरंत डीजल, पेट्रोल की कीमतों की समीक्षा कर उन्हें काम किया जाएगा। इसका प्रदेश के मतदाताओं पर गहरा असर हुआ है। गहलोत सरकार ने कई बार वायदा कर डीजल-पेट्रोल के दामों में कमी नहीं की। राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अधिक होने से प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में करीबन 400 पेट्रोल पंप बंद हो चुके हैं। पिछले पांच सालों में कांग्रेस की सरकार में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने समर्थक सभी विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र का मिनी मुख्यमंत्री बना दिया था। जिसके चलते क्षेत्र में विधायकों ने मनमानी की और जमकर भ्रष्टाचार किया। जिससे आम मतदाता जिन्होंने बड़ी आशा के साथ कांग्रेस को वोट देकर सरकार बनवाई थी। उनके मन में कांग्रेस के प्रति नकारात्मक धारणा व्याप्त हो गई है। मगर प्रदेश की जनता के रुझान से लगता है कि उन्होंने इस बार कांग्रेस को सबक सिखाने का दृढ़ संकल्प कर लिया है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संबोधन

तेलंगाना के मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव गुरुवार को महेश्वरम रंगा रेड्डी जिले में आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनाव 2023 के लिए एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए।

गिरिराज सिंह ने बिहार में हलाल उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की

पटना/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने हलाल प्रमाणित उत्पादों की बिक्री को व्यवसाय का इस्लामीकरण करने के उद्देश्य से किया गया जिहाद बताते हुए बृहस्पतिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इसपर राज्य में प्रतिबंध लगाने की मांग की । राज्य की बेगुसराय लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को कुमार को लिखे एक पत्र की एक प्रति भी साझा की, जिसमें उन्होंने उनसे पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार से सीख लेने का आग्रह किया है।

एक वीडियो बयान में, सिंह ने यह भी कहा कि हलाल प्रमाणित उत्पादों की बिक्री जजिया कर के समान है जो मध्ययुगीन युग में गैर-मुसलमानों पर लगाया गया था। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की पिछली सरकारों ने वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के तहत इसे लागू किया तथा टुकड़े-टुकड़े गैंग ने ऐसे उत्पादों को बिहार के हर कोने में उपलब्ध करा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा करके ऐसे लोग सनातन धर्म को खत्म करने पर तुले हुए हैं तथा हलाल उत्पाद की बेलगाम बिक्री शरिया शासन का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इस बीच, बिहार के मुख्यमंत्री की पार्टी जदयू ने भाजपा पर पलटवार करते हुए उस पर 'बीफ' सेवन जैसे मामले में पाखंड करने का आरोप लगाया। जदयू के मुख्य प्रवक्ता और एमएलसी नीरज कुमार ने कहा, भाजपा सनातन धर्म की सबसे बड़ी संरक्षक होने का दावा करती है। फिर भी उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में उसके अपने नेता 'बीफ' के सबसे बड़े निर्यातक के रूप में जाने जाते हैं। यह उनका पाखंड अखंड नहीं तो और क्या है।

अमेरिकी सरकार में जवाबदेही की भारी कमी : पटेल

वाशिंगटन/भाषा

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में वरिष्ठ अधिकारी रहे भारतीय-अमेरिकी काश पटेल का कहना है कि अमेरिकी सरकार के भीतर उन लोगों में जवाबदेही की भारी कमी है, जो पद पर हैं और उन्होंने कानून तोड़े हैं। भारतीय अमेरिकी अटार्नी और ट्रंप प्रशासन में प्रशासनिक अधिकारी रहे पटेल ने अपनी नई किताब ''गवर्नमेंट गैंगस्टर'' में अमेरिकी नौकरशाही की कड़ी आलोचना की है। उनका आरोप है कि अमेरिकी नौकरशाही में कानून तोड़ने वाले लोगों के एक वर्ग की गहरी घुसपैठ या वर्चस्व है।

पटेल ने एक अन्य संदर्भ में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के हितों को आगे बढ़ाते हुए वैश्विक पटल पर बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा हालांकि अभी, जैसा कि मैं देखता हूं, भारत अमेरिकी संबंधों की तुलना में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) संगठन में अधिक शामिल है। यह राष्ट्रपति (जो) बाइडेन द्वारा भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता नहीं देने का सीधा परिणाम है।''

राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में रक्षा विभाग में शीर्ष अधिकारी रहे पटेल ने एक साक्षात्कार में 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''इसके (पुस्तक लिखने) पीछे का उद्देश्य यह था कि डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों प्रशासनों में 16 वर्षों तक सरकार में रहने के बाद, मुझे यह स्पष्ट हो गया कि सरकार के भीतर पदों पर बैठे ऐसे लोगों में जवाबदेही की गंभीर कमी थी, जिन्होंने कानूनों को तोड़ा था।'' उन्होंने कहा, ''मैंने सोचा कि उन सभी उदाहरणों को लिखना चाहिए, जो मेरे सामने आए, यह उजागर करने और इस समस्या का समाधान प्रदान करने की कोशिश का एक हिस्सा था कि किस प्रकार सरकार में शीर्ष पर बैठे प्रभावशाली लोगों की गुप्त साजिशों को परास्त किया जाए, यह हमारे सबसे महत्वपूर्ण अभियानों में से एक है।''

एक सवाल के जवाब में पटेल ने आरोप लगाया कि बाइडन प्रशासन और 'ऐसे शीर्ष पदों पर बैठे लोगों ' के बीच सांठगांठ है।

43 वर्षीय अटार्नी ने आरोप लगाया, ''बाइडन प्रशासन इन भ्रष्ट 'गवर्नमेंट गैंगस्टर' से भरा हुआ है, जिन्हें मैं अपनी पुस्तक में नाम और शीर्षक से सूचीबद्ध करता हूं। यह केवल कोई डेमोक्रेट या रिपब्लिकन का मामला नहीं है।'' उन्होंने कहा,मैंने इनमें से किसी एक व्यक्ति और कई अन्य लोगों का नाम लिया है, उन्होंने न्याय के असंवैधानिक उपाय को आगे बढ़ाया है। उदाहरण के लिए, एफबीआई अपराधियों को ढूंढने के लिए लोगों को पूजा घरों, अर्थात चर्चों में भेजती है। एफबीआई उन लोगों को गिरफ्तार करने के लिए स्कूल बोर्डों में एजेंटों को भेज रही है जो सरकारी राजनीतिक एजेंडे से मुक्त मुफ्त शिक्षा प्रणाली के लिए अपने बच्चों के अधिकारों के लिए खड़े थे।''

एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए, पटेल ने कहा कि सिर्फ इसलिए कि अमेरिका यूक्रेन में जमीन पर भौतिक रूप से मौजूद नहीं है, इसका मतलब यह नहीं है कि यह विश्व युद्ध नहीं है।

पटेल ने कहा ये दो विश्व शक्तियाँ हैं, रूस और पश्चिम, यूक्रेन में लड़ रहे हैं। यदि हम पहले ही वहां 120 बिलियन अमरीकी डालर का वादा कर चुके हैं तो यह एक विश्व युद्ध है। और अब ईरान के साथ क्या हुआ? पिछले दरवाजे से समर्थन के साथ हमास और हिजबुल्लाह गाजा में पूरी ताकत के साथ मौजूद हैं , वह एक और विश्व युद्ध है। हमने सार्वजनिक रूप से मध्य पूर्व में अपने नंबर एक सहयोगी इज़राइल के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। मुझे लगता है कि ऐसा करना सही निर्णय है।'' उन्होंने आशंका जतायी कि अमेरिकी बलों को इसमें शामिल किया जाएगा और यह हमारे लिए अगला अफगानिस्तान होगा।

उनकी यह किताब इसी सर्दी के मौसम में आने वाली है।

भारत ने जकार्ता में 'आसियान-भारत का पोषक अनाज महोत्सव' 2023 का आरंभ किया

जकार्ता/भाषा

भारत ने इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में पांच दिवसीय 'आसियान-भारत का पोषक अनाज महोत्सव' 2023 का आरंभ किया है। इस महोत्सव का उद्देश्य आसियान सदस्य देशों के बीच पोषक अनाज एवं पोषक अनाज-आधारित उत्पादों के लिए जागरूकता बढ़ाना और एक बाजार तैयार करना है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सहयोग से आसियान में भारतीय मिशन 22 नवंबर से 26 नवंबर 2023 तक 'आसियान-भारत का पोषक अनाज महोत्सव' 2023 का आयोजन कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (आईवाईएम) समारोह के अनुरूप, इस उत्सव का उद्देश्य आसियान सदस्य देशों के बीच पोषक अनाज और पोषक अनाज-आधारित उत्पादों के लिए जागरूकता बढ़ाना और बाजार विकसित करना है। फिलीपीन महोत्सव के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग भारत के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहा है, जो भारतीय पोषक अनाज पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े पेशेवरों के एक विविध समूह का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें शेफ, स्टार्ट-अप, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के दिग्गज, राज्य के अधिकारी और अन्य व्यक्ति शामिल हैं। आसियान में भारत के राजदूत जयंत खोबरागड़े ने कहा, '' प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने सात सितंबर को आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाए गए संयुक्त बयानों में से एक खाद्य सुरक्षा पर था।'' उन्होंने कहा, '' दो महीनों में हम मोटा अनाज महोत्सव आयोजित कर रहे हैं जिसमें खाद्य सुरक्षा भी शामिल है। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी कितनी प्रभावी ढंग से काम कर रही है।'' मोटे अनाज को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण तत्वों में से एक बताते हुए उन्होंने कहा कि यह आसियान-भारत संबंधों के समग्र ढांचे में बहुत अच्छा है।

अमेरिका में दीपावली उत्सव को लेकर कार्यक्रमों का आयोजन हुआ

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के कैपिटल हिल में पिछले सप्ताह दीपावली संबंधी तीन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में अमेरिकी सांसदों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सांसदों ने देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में भारतीय-अमेरिकियों द्वारा निभाई जा रही भूमिका की सराहना की।

भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद भवन परिसर) में आयोजित दीपावली कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा, ''दीपावली के मूल सिद्धांत- बुराई पर अच्छाई की जीत, अपने कर्तव्य का निर्वहन करने की महत्ता- सभी धर्मों के लोगों के लिए अहमियत रखते हैं।' यह कार्यक्रम बीएपीएस द्वारा हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, एशियन अमेरिकन होटल ओनर्स एसोसिएशन, श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमपुर, फेडरेशन ऑफ जैन एसोसिएशन इन नॉर्थ अमेरिका, अमेरिकन ज्यूइश कमेटी, यूएस इंडियन कम्युनिटी फाउंडेशन, यूएस इंडिया सिक्योरिटी काउंसिल और भारतीय अमेरिकी रिलेशन काउंसिल के सहयोग से आयोजित किया गया।

प्रदर्शन

श्रीनगर में गुरुवार को अनिर्धारित बिजली कटौती के विरोध में प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

उद्घाटन

नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण डिजिटल एक्सेलेरेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन एक्सपो (डीएटीई) के उद्घाटन के अवसर पर ट्रेस्कॉन के संस्थापक और अध्यक्ष मोहम्मद सलीम, ट्रेस्कॉन समूह के सीईओ नवीन भारद्वाज और भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या के साथ।

श्रीदेवी को समर्पित होगा खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का 9वां सीजन

भोपाल/एजेन्सी

बेशकीमती शिल्पकलाओं के लिए विश्वविख्यात खजुराहो को अब बांस-बल्लियों से तैयार की गई टापरा टॉकीज में फिल्मों की प्रदर्शनी वाले अपने अनोखे अंतराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के लिए भी जाना जाता है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश के सबसे बड़े पर्यटन केंद्रों में से एक खजुराहो में अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल का 9वां एडिशन भी जल्द शुरू होने जा रहा है, जो 16 दिसंबर से 22 दिसंबर के बीच खजुराहो के बुंदेला रिसोर्ट में आयोजित होगा. सात दिनों तक चलने वाले इस समारोह का आयोजन फिल्म अभिनेता व बुंदेलखंड विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष राजा बुन्देला के प्रयास प्रोडक्शन के बैनर तले होता है. इस बार समारोह की थीम बॉलीवुड की महान अभिनेत्री श्रीदेवी पर आधारित है. इस दौरान उनकी लाडला, नगीना, इंग्लिश विंग्लिश, मॉम जैसी कुछ विशेष फिल्मों के साथ-साथ भारतीय और विदेशी फिल्मों के अलावा शार्ट फिक्शन फिल्म्स, नई बुंदेली फिल्म्स, यूरोपियन फिल्म्स, मोबाइल शार्ट फिल्म्स, सर्वश्रेष्ठ रील, ट्रिब्यूट श्रीदेवी फिल्म व महिला फिल्म मेकर्स की फिल्मों का प्रदर्शन भी देखने को मिलेगा। किफ़ खजुराहो की आधिकारिक वेबसाइट पर दी जानकारी के अनुसार, इस बार अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त आगंतुकों को समारोह में उपस्थित रहने वाले सेलिब्रिटीज के साथ डिनर करने का अवसर भी प्राप्त होगा, जिसके लिए उपयुक्त पास की व्यवस्था की जाएगी. इसके अतिरिक्त फिल्म वर्कशॉप में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को स्कॉलर्शिप भी प्रदान की जाएगी. इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फ्रांस और न्यूजीलैंड की फिल्में भी प्रदर्शित की जाएंगी. फिल्म एक्टर व डायरेक्टर चंद्र प्रकाश द्विवेदी, रमेश सिप्पी, प्रोड्यूसर मनमोहन सेठी, फ्रेंच एक्ट्रेस मैरिएन बोर्गो आदि प्रमुख रूप से शामिल होंगे. समारोह से सम्बंधित जानकारियों के लिए जल्द ही आयोजक मंडल की तरफ से एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कार्यक्रम की सम्पूर्ण रूपरेखा देखने को मिलेगी. संभवतः बोनी और जानवी कपूर भी इस समारोह का हिस्सा होंगे।

बता दें कि खजुराहो फिल्म फेस्टिवल के माध्यम से देश के जाने माने फिल्म मेकर्स के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को भी प्रभावशाली मंच प्रदान करने का प्रयास किया जाता है. इस बार कुछ नए अंदाज और इवेंट्स के साथ किफ़ को और अधिक शानदार बनाने का प्रयास किया जा रहा है. जाहिर तौर पर किफ़ के माध्यम से बुंदेली कला संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थानीय लोक कलाकारों को मंचन का भरपूर अवसर भी मिलता है. समारोह में न केवल खजुराहो बल्कि देश के अलग अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में दर्शक पहुँचते हैं. वहीं पर्यटन नगरी होने के कारण, समारोह में देशी-विदेशी पर्यटकों का जमावड़ा भी लगा रहता है।

आज डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होगी 'द वैक्सीन वार'

मुंबई/वार्ता

विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में बनी फिल्म द वैक्सीन वार 24 नवंबर, 2023 को डिज़्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी। डिज़्नी + हॉटस्टार भारत के कोविड-19 टीकाकरण की प्रेरणादायक कहानी 'द वैक्सीन वार' लेकर आ रहा है। इसका निर्देशन विवेक अग्निहोत्री ने किया है और निर्माता पल्लवी जोशी एवं आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस हैं । यह फिल्म 24 नवंबर, 2023 को डिज़्नी + हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है।इस फिल्म में नाना पाटेकर, पल्लवी जोशी, राइमा सेन, अनुपम खेर, गिरिजा ओक, निवेदिता भट्टाचार्य, सप्तमी गौड़ा और मोहन कपूर जैसे कलाकार है। विवेक अग्निहोत्री ने कहा, 'कोविड-19 महामारी दुनियाभर में हर किसी के लिये एक मुश्किल वक्त लेकर आई थी और किसी को पता नहीं था कि आखिर हम पर किसने हमला किया है। इससे भी ज्यादा मुश्किल बात थी इलाज ढूंढना, एक टीका जो सुनिश्चित करे कि हममें से किसी को भी यह बीमारी दोबारा न हो। समय के साथ हुई इस लड़ाई में हमारे देश के मेडिकल

विशेषज्ञों ने मानवजाति की रक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी। ये गुमनाम नायक सचमुच लड़ाई के विजेता है, जो उस वायरस के खिलाफ थी, जिसे समझना ही बड़ा मुश्किल था। मेरे लिये यह फिल्म उन सभी नायकों को दिया गया एक सम्मान है। मुझे बहुत खुशी है कि 'द वैक्सीन वार' डिज़्नी+ हॉटस्टार पर आ रही है, क्योंकि इससे दुनियाभर में दर्शकों को पता चलेगा कि टीका खोजने के लिये हमारे डॉक्टरों ने किस हद तक काम किया।

अनुपम खेर ने कहा, 'द वैक्सीन वार' दुनिया के सामने भारत की ताकत दिखाती है, जब हर कोई अपने रोजमर्रा के काम भी नहीं कर पा रहा था। भारतीय बायोटेक इंजीनियरों की शानदार टीम हमें कोविड-19 से सुरक्षित रखने वाला टीका खोजने में व्यस्त थी। विवेक अग्निहोत्री और उनकी टीम ने बेहतरीन तरीके से उनके संघर्ष, लड़ाई और उपलब्धि पाने की प्रेरणा को पेश किया है। मुझे बहुत खुशी है कि यह फिल्म डिज़्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है और गुमनाम नायकों की यह कहानी कई भारतीयों तक पहुँच सकेगी।

नाना पाटेकर ने कहा, 'द वैक्सीन वार' ऐसी कहानी है, जिसे बताना यकीनन जरूरी था- क्योंकि यह उनकी कहानी है, जिन्होंने एक जानलेवा महामारी का समाधान तलाशने के लिये अपनी जान को जोखिम में डाला।

जब विवेक इस फिल्म की पटकथा लेकर मेरे पास आये, तब इनकार करने का कोई सवाल ही नहीं उठता था और मैंने पलक झपकते ही 'हां' कह दिया! इन डॉक्टरों की कहानी बताना मेरे लिये महत्वपूर्ण था, क्योंकि कोई नहीं जानता कि लगभग दो साल तक वह कैसे-कैसे हालातों से गुजरे।

हम नागरिकों के पास अपने घर में रहने का विकल्प था, लेकिन उनके पास नहीं। उन्हें बाहर निकलना था और अपनी जान जोखिम में डालनी थी, जिससे महामारी को रोका जा सके। इस फिल्म के डिज़्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने से दुनिया में कई लोगों को मेडिकल के क्षेत्र में भारत की कुशलता का पता चलेगा और वो ये भी देखेंगे कि डॉक्टरों ने महामारी के लिये टीका खोजने में आखिर कितनी मेहनत की।

मुनव्वर फारुकी और रश्मीत कौर का गाना 'प्यार की बहार' रिलीज

मुंबई/वार्ता

संगीतकार-कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी और गायिका-गीतकार रश्मीत कौर का रोमांटिक पंजाबी डांस नंबर 'प्यार की बहार' रिलीज हो गया है। 'प्यार की बहार' रश्मीत कौर द्वारा गाया और संगीतबद्ध किया गया है, और मुनव्वर फारुकी, रश्मीत कौर और आईपी सिंह द्वारा लिखा गया है। यह गाना सौरभ लोखंडे द्वारा निर्मित, अभिषेक घटक द्वारा मिक्स और व्हिटफील्ड मास्टरींग द्वारा मास्टर किया गया है। गाने पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए रश्मीत कौर ने कहा, प्यार की बहार' बनाना एक खूबसूरत यात्रा रही है। जब मैंने इस ट्रैक के एक विस्तारित संस्करण की कल्पना की, जो मूल रूप से मेटा के 1-मिनट के संगीत अभियान का एक हिस्सा था, तो मुनव्वर वह तत्काल नाम था जो मेरे दिमाग में उछला। उनकी रैप शैली मेरे साथ

मेल खाती है लेकिन इस सहयोग में, उन्हें इस तरह से प्रस्तुत किया गया है जो पहले कभी नहीं देखा गया है। मुनव्वर का आनंददायक, जोशीला संगीत पक्ष जो ताज़ा है। हमने जो गाना बनाया है वह मस्ती, रोमांस और डान्स का एक आनंदमय मिश्रण है। लेखन के प्रति मुनव्वर का खास और ताज़ा दृष्टिकोण गीत में एक अनोखा आकर्षण जोड़ता है, और मेरा मानना है कि यह दर्शकों को खूब पसंद आएगा। मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया और भविष्य में एक बार फिर मुनव्वर के साथ सहयोग करने का इंतजार कर रहा हूं। मुनव्वर फारुकी वर्तमान में बिग बॉस सीजन 17 में हैं, जहां वह गेमप्ले से लोगों का दिल जीत रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 24-11-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर में खाटू वाले बाबा श्याम का जन्मोत्सव पूरी श्रद्धा व आस्था से मनाया गया। श्याम मंदिर ट्रस्ट की ओर से बाबा के जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर की विशेष सजावट की गई तथा बाबा श्याम की प्रतिमा का ताजे रंगबिरंगे फूलों से अलौकिक श्रृंगार किया गया।

मन को नियंत्रण कर लो, जीवन सुधर जाएगा : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि मन को नियंत्रण कर लो, जीवन सुधर जाएगा। ये मन ही तो है जो पाप, पुण्य कराता है। जीवन को नेक और अनेक रास्तों पर ले जाता है, इसलिए कहा है की मन के हारे हार, मन की जीते जीत। मन की पवित्रता से जीवन आगे बढ़ता है, क्योंकि जीवन में मन ही है जो भटकता है और जीवन को भी भटकाता है। यदि वह अपने वश में हो जाता है तो सब कुछ सही रहता है। जीवन का उत्थान होता है। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि पत्थर को भी जब तराशकर प्रतिमा बनाया जा सकता है। तीन श्वांस की जिंदगी है।

पहली श्वांस जन्म की, दूसरी श्वांस है जवानी की और तीसरी बुढ़ापे की। इसके बाद जीवन खत्म हो जाता है। मेघराज भंसाली ने बताया कि गुरु राजेंद्रसूरी 108 अभिषेक का लाभ कमलाबाई फतेहराज कानूंगा परिवार ने लिया। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

शिवशक्ति दाधीच बने राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के दाधीच युवाकार्यकर्ता शिवशक्तिप्रसाद दाधीच को अखिल भारतवर्षीय दाहिमा(दाधीच) ब्राह्मण महासभा के युवा प्रकोष्ठ में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण दाधीच व युवा प्रकोष्ठ राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकुर बहड़ की अनुशंसा पर शिवशक्ति को यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। यह जानकारी राष्ट्रीय युवा महामंत्री डॉ शशिप्रकाश शर्मा ने एक विज्ञप्ति में दी।

श्याम मंदिर में मनाया गया श्याम जन्मोत्सव, गूंजे बाबा श्याम के जयकारे

जन्मोत्सव पर श्रद्धालुओं ने अर्पण किए निशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर में खाटू वाले बाबा श्याम का जन्मोत्सव पूरी श्रद्धा व आस्था से मनाया गया। श्याम मंदिर ट्रस्ट की ओर से बाबा के जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर की विशेष सजावट की गई तथा बाबा श्याम की प्रतिमा का ताजे रंगबिरंगे फूलों से अलौकिक श्रृंगार किया गया। सुबह से ही मंदिर में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बाबा श्याम के दर्शन किए। इस बार जन्मोत्सव के मौके पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने पैदल यात्रा कर श्याम मंदिर में निशान अर्पण किए। सुबह से ही मंदिर में निशान अर्पण करने वाले श्रद्धालुओं का आना शुरु था जो शाम तक चलता रहा। शाम को 4 बजे मंदिर में श्याम जन्मोत्सव कीर्तन का आयोजन किया गया। भजन कार्यक्रम में टाटानगर के भजन गायक हरजीतसिंह हीरा सहित अनेक स्थानीय गायकों ने भजनों की प्रस्तुति दी। शाम को मंदिर में भजन कार्यक्रम में श्याम मंदिर ट्रस्टी के ट्रस्टी सहित बड़ी संख्या में श्याम उपस्थित थे।

विपक्ष के नेता अशोक ने मुख्यमंत्री से कहा

जाति जनगणना रिपोर्ट पर जल्दबाजी न दिखाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया से सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करने में जल्दबाजी नहीं दिखाने का आग्रह किया और विभिन्न वर्गों के विरोध के बावजूद इस मामले में आगे बढ़ने से पहले सभी समुदायों और संगठनों को विश्वास में लेने के लिये कहा है। सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण को जाति जनगणना' के रूप में जाना जाता है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने सर्वेक्षण की मूल 'वर्कशीट' की प्रति कथित तौर पर गायब होने के बाद जांच और कार्रवाई की भी मांग की।

कर्नाटक की सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार (2013-2018) ने 2015 में राज्य में 170 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण शुरू किया था, जिसके निष्कर्ष अब तक जारी नहीं किए गए हैं। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष एच कंथाराजू के नेतृत्व में जाति जनगणना रिपोर्ट तैयार करने का काम सौंपा गया था।

मुख्यमंत्री के रूप में सिद्दरामैया के पहले कार्यकाल के अंत में सर्वेक्षण का काम 2018 में पूरा हो गया था, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया या सार्वजनिक नहीं किया गया। अशोक ने कहा, कांथाराजू के नेतृत्व वाले आयोग के सर्वेक्षण से बहुत से भ्रम हैं...यह 10 साल पुरानी रिपोर्ट है, तब से जनसंख्या बदल गई है और लोगों ने शिकायत की है कि सर्वेक्षण के दौरान उनके घर कोई नहीं पहुंचा। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य सचिव ने सर्वेक्षण रिपोर्ट पर हस्ताक्षर नहीं किए थे और इसकी 'मूल वर्कशीट' प्रति भी गायब है।

'नवकार मंत्र करे भवपार' अभियान का लक्की ड्रॉ कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन युवा संगठन द्वारा विश्व शांति व सर्व कल्याण के लिए 11 करोड़ का नवकार महामंत्र का जाप 'नवकार मंत्र करे भवपार' अभियान का आयोजन विभिन्न धार्मिक स्थलों पर विराजित साधु साध्वियों के सान्निध्य में धनतेरस के दो दिन पूर्व तक किया गया था। जाप करने वाले सभी साधकों को जप कार्ड दिया जिसका लक्की ड्रॉ 25 नवम्बर को किया जाएगा। इस कार्यक्रम के संयोजक दिलीप संचेती ने सभी साधकों को अपने अपने कार्ड स्थानीय संयोजक या पदाधिकारियों तक पहुँचाने का निवेदन किया है। संगठन के अध्यक्ष महेंद्र बाग़रेचा व मंत्री मदन मुणोत ने सभी साधकों व सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जन्मभूमि सांस्कृतिक नागरिक वेदिके द्वारा व्यालिकावल स्थित श्री कृष्ण देवराय सभागार में मैट्रिक व पीयूसी परीक्षा में श्रेष्ठ अंकों से उत्तीर्ण होने वाले राज्य के लगभग 250 विद्यार्थियों को विद्यारत्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलन कर व मेधावी विद्यार्थियों को अवार्ड वितरण किया। इस मौके पर वेदिके के कृष्णप्पा, हरिकृष्णा एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

प्रदेश अध्यक्ष और विपक्ष के नेता की नियुक्ति के बाद भाजपा में असंतोष : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बृहस्पतिवार को विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए दावा किया कि राज्य इकाई के अध्यक्ष के रूप में विजयेंद्र येडीयुरप्पा और विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में आर अशोक की नियुक्ति के बाद उस पार्टी के अंदर असंतोष की आग भड़क उठी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि वह असंतुष्ट भाजपा नेताओं के संपर्क में नहीं हैं और उन्होंने उनमें से किसी को भी कांग्रेस में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया है।

सिद्दरामैया ने राज्य भाजपा में पनप रहे असंतोष के बारे में एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, ''विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष और अशोक को विपक्ष का नेता बनाए जाने के बाद, भाजपा में अंदर से आग लग गई है। कई लोग असंतुष्ट हो गये हैं। कोई नहीं कह सकता कि क्या होगा - क्या यह आग पार्टी को जला देगी नीचे से - मुझे नहीं पता, लेकिन आग पकड़ ली है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या असंतुष्ट भाजपा नेता कांग्रेस का दरवाजा खटखटा रहे हैं, उन्होंने कहा, हम किसी को भी पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं करेंगे। अगर वे हमारे नेतृत्व और विचारधारा को स्वीकार करते हुए पार्टी में शामिल होने के लिए खुद आगे आते हैं, तो हम उन्हें शामिल करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या उनमें से किसी ने पार्टी में शामिल होने के लिए उनसे संपर्क किया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि न तो उन्होंने किसी से संपर्क किया है, न ही किसी ने उनसे संपर्क किया है।

उन्होंने कहा, ''अपने राजनीतिक जीवन में, मैने किसी को भी पार्टी में शामिल होने के लिये आमंत्रित नहीं किया। किसी भी व्यक्ति को विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिये। अगर कोई भाजपा में है, तो उसे भाजपा की विचारधारा को स्वीकार करना होगा। उन्हें उसे छोड़ना होगा और हमारी (कांग्रेस की) विचारधारा स्वीकार करनी होगी।''

प्रदेश भाजपा में हुयी इन दोनों नियुक्तियों से कुछ भाजपा नेता कथित रूप से नाराज हैं, इनमें बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और रमेश जारकीहोली (दोनों विधायक), वी सोमन्ना और अरविंद लिंबावली (दोनों पूर्व मंत्री) शामिल हैं।

यतनाल ने हाल ही में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा के बेटे विजयेंद्र की प्रदेश अध्यक्ष पद पर हुयी नियुक्ति के बाद नाखुशी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा अगर एक परिवार की पार्टी बन जाती है तो पार्टी कार्यकर्ता और हिंदू कार्यकर्ता इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

पिछले सप्ताह वरिष्ठ विधायक अशोक को नए नेता के रूप में चुने जाने से पहले ही यतनाल, रमेश जारकीहोली के साथ भाजपा विधायक दल की बैठक छोड़कर बाहर चले गये थे। यतनाल ने बैठक से पहले मांग की थी कि विधानसभा में विपक्ष का नेता उत्तर कर्नाटक से होना चाहिये।

'धर्म तीर्थयात्रा करने से होती है भवयात्रा की समाप्ति'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन में मुनि मेरुपद्मसागरजी एवं अर्हमपद्मसागर जी ने कहा कि जीवन अनेक यात्राओं का मेला है किन्तु जीवन भी एक यात्रा है। इस जीवन यात्रा में व्यक्ति कई तरह की यात्राएं करता है। सब यात्रा में एक महत्वपूर्ण यात्रा होती है तीर्थयात्रा। इसे हम धर्म यात्रा का नाम दे सकते है। हालांकि सभी यात्राओं जैसे ट्रेन, हवाई व वाहन यात्रा का अपना एक अलग महत्व है परन्तु सबसे श्रेष्ठ और लाभकर यात्रा तीर्थयात्रा होती है। तीर्थयात्रा सबसे श्रेष्ठ इसलिए है कि इससे किसी की कोई हानि नहीं, यह सबके लिए लाभकारी होती है। अगर इस तीर्थयात्रा को हम सही रूप से करें तो हमारी भवयात्रा पर पूर्णविराम लग जाएं और सही तरह से न करें तो भवयात्रा की श्रृंखला कई जन्मों तक बढ जाएगी यानी कि जिसे हम जीवन की अंतिम यात्रा कहते है उस श्मशान यात्रा का सिलसिला जन्मों तक रुकेगा नहीं।

आँवला नवमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु माहेश्वरी महिला संगठन ने धार्मिक आयोजन के तहत श्रीरंगपट्टनम में रंगनाथ भगवान के व चन्नपटना में अप्रमेयस्वामी वेणुगोपाल मंदिर के दर्शन किए एवं आँवला नवमी के अवसर कावेरी नदी के गोसाईं घाट पर कार्तिक स्नान किया। महिला सदस्याओं ने सामूहिक रूप से आँवला वृक्ष की पूजा करके आँवला नवमी की कहानी सुनी तथा वन भोज का आनंद उठाया ।

कर्नाटक में भाजपा विधायक ने की सीबीआई जांच की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री वी. सुनील कुमार ने गुरुवार को कहा कि अगर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया वास्तव में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो उन्हें जाति जनगणना रिपोर्ट को जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप देनी चाहिए। प्रमुख ओबीसी नेता सुनील कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री को जाति जनगणना रिपोर्ट का अध्ययन करने के लिए कैबिनेट उपसमिति बनाने का नाटक बंद करना चाहिए।

सुनील कुमार ने आरोप लगाया, ''सिद्दरामैया, पिछड़े वर्गों और दलित समुदायों के साथ आपका यह कैसा विश्वासघात है। ओरिजनल ब्लूप्रिंट गायब है। आप एक जालसाजी रिपोर्ट तैयार करने और राहुल गांधी को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं।'' यदि कोई जाति रिपोर्ट की उलझनों और जटिलताओं से गुजरे तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एक बड़ा घोटाला है। 162 करोड़ रुपये की लागत से कराई गई जातीय जनगणना का उद्देश्य पूरा नहीं हुआ तो इसका क्या मतलब है? उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब इस मुद्दे पर बहस तेज है, पिछड़ा वर्ग समिति के पूर्व अध्यक्ष कंठराज लापता हो गए हैं। कंथाराज के कार्यकाल के दौरान ही जाति जनगणना कराई गई थी।

उन्होंने बताया कि सदस्य सचिव इस बात पर भी चुप हैं कि उन्होंने तब रिपोर्ट पर अपने हस्ताक्षर क्यों नहीं किये थे। कुमार ने आगे दावा किया कि इसका मतलब यह है कि वह जाति जनगणना का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे यह भी पता चलता है कि जाति जनगणना रिपोर्ट तैयार करने की अवधि के दौरान बड़ी गड़बड़ी और हेराफेरी हुई थी।

उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री को जाति जनगणना रिपोर्ट को अध्ययन के लिए कैबिनेट उपसमिति को सौंपने के बजाय इस मामले की जांच सीबीआई से करानी चाहिए। इस बीच, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े ने बुधवार को स्पष्ट किया कि जाति जनगणना के आंकड़े सुरक्षित हैं जबकि कार्यपत्रक गायब हैं।

बेंगलूरु मारवाड़ी सम्मेलन का वैवाहिक परिचय सम्मेलन 17 दिसम्बर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की बेंगलूरु इकाई तत्वावधान में शादीयोग्य युवक युवतियों के लिए के एक वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन 17 दिसम्बर को गोडवाड़ जैन भवन आयोजित किया जा रहा है।

मारवाड़ी रीति रिवाज एवं मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ इस परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य समाज के शादीयोग्य युवक-युवतियों के लिए यह प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है।

अरुण खेमका व पंकज जालाना ने बताया कि इस आयोजन की तैयारियां जोरों से चल रही है और रेस्पांस भी अच्छा मिल रहा है। यह जानकारी कर्नाटक प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के महासचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल ने दी।

मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर के सदस्यों ने पुखराज कन्हैयालाल नाहर परिवार के सौजन्य से राजराजेश्वरीनगर स्थित तारा ओल्ड एज होम में निवासित लोगों को भोजन करवाया तथा आवश्यकतानुसार राशन सामग्री भेंट की। परिषद मंत्री धर्मेश नाहर, सेवा कार्य प्रभारी हितेश बोथरा, कोषाध्यक्ष सौरभ चोरड़िया, संगठन मंत्री बिकाश छाजेड़ आदि ने सेवा में श्रम किया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com